RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 58 ता. 24 अगस्त 2024, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

किसानों की समस्या सुनने सुप्रीम कोर्ट गठित करेगा कमेटी

2 सितंबर की तारिख तय की

नई दिल्ली । (एजेंसी)

शंभू बॉर्डर पर बैठे किसानों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वे किसानों की शिकायतों के निपटरे और सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए जल्द ही एक कमेटी का गठन करेगा। कमेटी में कई सदस्य और इसके लिए 2 सितंबर की तारीख तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा सरकारों से कहा है कि वह किसानों के मुद्दों की जानकारी केमटी को दें। इसके पहले पंजाब सरकार ने कोर्ट को बताया कि 12 अगस्त के आदेश का पालन कर किसानों के साथ बैठक की, ताकि बंद किए गए हाइवे को आंशिक तौर पर खोला जा सके और किसान इसके लिए सहमत हो गए। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा है कि वह किसानों से मीटिंग जारी रखें और उन्हें हाइवे से ट्रैक्टर और ट्रालियां हटाने के लिए राजी करें। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से कहा था कि वह शंभू बॉर्डर पर डटे प्रदर्शनकारी किसानों को सड़क से ट्रैक्टर हटाने के लिए राजी करे। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा और पंजाब के पुलिस प्रमुख से कहा था कि वे जिला एसपी के साथ हफ्ते भर के भीतर बैठक करें, ताकि शंभू बॉर्डर के पास हाइवे को आंशिक तौर पर खोला जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने स्पष्ट किया है कि समिति को संदर्भ का एक व्यापक अधिकार होगा, ताकि समय-समय पर कानून-व्यवस्था की समस्याएँ पैदा करने वाले मुद्दों को निष्पक्ष और न्यायपूर्ण तरीके से सुलझाया जा सके। इसलिए इस संबंध में तीन दिनों के भीतर आवश्यक कार्य किया जाएगा।

पंजाब में नाभा जेल तोड़ने का मुख्य साजिशकर्ता भारत लाया गया

नई दिल्ली ।

पंजाब में नाभा जेल तोड़ने का मुख्य साजिशकर्ता रमनजीत सिंह को हांगकांग से भारत लाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि रमनजीत सिंह उर्फ रोमी को पंजाब पुलिस की एक टीम भारत लाई है। उन्होंने बताया कि रोमी नाभा जेल तोड़ने के मामले में मुख्य साजिशकर्ता था।घटना में दो आतंकवादियों सहित छह खूंखार अपराधी भाग गए थे। पंजाब के पुलिस महानिदेशक ने जानकारी दी है कि नाभा जेल तोड़ने (जेल ब्रेक) के मुख्य साजिशकर्ता रमनजीत सिंह को भारत प्रत्यर्पित कर दिया गया है। पुलिस महानिदेशक ने कहा, पंजाब पुलिस के अथक प्रयासों के बाद मुख्य साजिशकर्ता रोमी को आज न्याय के कठघरे में लाने के लिए वापस लाया जा रहा है। वह आईएसआई और खालिस्तान लिबरेशन फोर्स के हरमिंदर सिंह मिंटू और कश्मीर सिंह गलवड्डी सहित अन्य फरार कैदियों के संपर्क में था। डीजीपी ने कहा, ''गैंगस्टर रोधी कार्यबल रोमी को वापस लाने के लिए रवाना हो गया है। हम अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए हांगकांग के अधिकारियों, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और अन्य सभी केंद्रीय एजेंसियों को धन्यवाद देते हैं।

संदिग्ध गतिविधि के चलते कठुआ में तलाशी अभियान शुरु, पूरा इलाका घेरा

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ सीमा पर तलाशी अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार रात इलाके में संदिग्ध गतिविधि के बाद सुरक्षा बलों ने कठुआ जिले के सीमावर्ती इलाके में तलाशी शुरू की। दो लोगों की संदिग्ध गतिविधि की सूचना पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने जिले के जंडोर इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादियों की घुसपैठ में मदद करने में शामिल आठ वकरों को गिरफ्तार किया था। कठुआ जिले में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया है, जहां यह समूह भारत-पाकिस्तान सीमा पर डोडा, उधमपुर और कठुआ जिलों के ऊपरी इलाकों में आतंकवादी गतिविधियों में मदद करने का काम करता था। आतंकवादियों से संबंध रखने और उन्हें भोजन, आश्रय आदि प्रदान करने के आरोप में 50 से ज्यादा स्थानीय लोगों की जांच की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि आतंकी मॉड्यूल के गिरफ्तार सदस्य कठुआ जिले के बिलवाड़ा क्षेत्र के अंबे नाल, भादू, जुथाना, सोफेन और कट्टल गांवों के रहने वाले हैं।

एअर इंडिया की फ्लाइट में बम की धमकी

तिरुवनंतपुरम।

एअर इंडिया की मुंबई से तिरुवनंतपुरम जा रही फ्लाइट 657 में बम की धमकी मिली है। विमान तिरुवनंतपुरम पहुंच चुका था। तभी पायलट ने बम की सूचना दी। फ्लाइट में 135 पैसेंजर्स सवार थे। सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित की गई है। फ्लाइट को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। जांच जारी है। एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग के बाद सभी यात्री सुरक्षित हैं और उनके सामान की जांच की जा रही है। अथॉरिटी की ओर से यह भी कहा गया है कि फिलहाल चिंता की कोई बात सामने नहीं आई है। पिछले 3 महीने में फ्लाइट में बम की धमकी का यह छठवां केस है। इससे पहले जून में तीन फ्लाइट और मई में दो फ्लाइट में बम की धमकी दी गई थी।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

भारत और अंतरिक्ष इतिहास में बेहद अहम दिन

पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं, वैज्ञानिकों की सराहना

नई दिल्ली। (एजेंसी)

आज का दिन भारत और अंतरिक्ष इतिहास में बेहद अहम है। आज ही के दिन साल 2023 में भारत ने अंतरिक्ष के इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में लिख दिया था। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता 23 अगस्त के दिन मिली थी। हालांकि ये पहला मौका नहीं था जब अंतरिक्ष में इसरो ने कामयाबी हासिल की थी। इससे पहले भी इसरो ने कई मिशनों को पूरा किया है। चंद्रयान-3 मिशन खास इसलिए भी था क्योंकि चांद पर लैंड करने वाला भारत चौथा देश बना। इसके साथ ही दुनिया का वह पहला देश है जो चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने में कामयाब रहा है। इस कामयाबी को यादगार बनाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाने का ऐलान किया है। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली सरकार ने इस क्षेत्र से संबंधित कई भविष्योन्मुखी फैसले लिए है और आगे भी ऐसे फैसले लिए जाएंगे। एक्स पर पीएम मोदी ने लिखा कि पहले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर सभी को शुभकामनाएं। हम अंतरिक्ष क्षेत्र में अपने देश की उपलब्धियों को गौरव के साथ याद करते हैं। यह हमारे अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के योगदान की सराहना करने का दिन भी है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, नितिन गडकरी और डॉ. मनसुख मंडाविया ने सोशल मीडिया एक्स पर भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों पर खुशी जाहिर की और पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया है। पुरी ने एक्स पर लिखा कि आज हम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर इसरो की अविश्वसनीय यात्रा का जश्न मना रहे हैं। बैलगाड़ी पर रॉकेट के पुर्जे ले जाने से लेकर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने तक, भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। इंडियन ऑयल के क्रायोजेनिक्स की अहम भूमिका के साथ, हमारी अंतरिक्ष गाथा पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में जारी है क्योंकि हम 2024 में गगनयान की तैयारी कर रहे हैं

नितिन गडकरी ने एक्स पर लिखा- अंतरिक्ष अन्वेषण हमारी दुनिया को आकार देता है और हमारी कल्पना को बढ़ावा देता है। भारत के अंतरिक्ष प्रयासों की

अविश्वसनीय यात्रा और हमारे गर्व के साथ एक साथ आएं और इस ऐतिहासिक दिन का जश्न मनाएं।

40 भारतीयों को लेकर काठमांडू जा रही बस नदी में गिरी

4 लोगों के शव बरामद

काठमांडू । (एजेंसी)

नेपाल में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हुआ है। नेपाल के तनहुं जिले में नदी में मर्सयांगदी नदी में अचानक बस गिर गई। बताया गया कि यह बस यूपी नंबर की थी, इसमें 40 यात्री सवार थे। अभी तक 14 लोगों के शव बरामद हुए हैं। जिला पुलिस कार्यालय तनहुन के डीएसपी दीपकुमार राया ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि यूपी एफटी 7623 नंबर प्लेट वाली बस नदी में गिर गई और नदी के किनारे पर पड़ी है। घटना के बाद से सोशल मीडिया यूजर लगातार नेपाल की सड़क हादसे का वीडियो और फोटो शेयर कर रहे हैं और लोगों के सुरक्षित होने की कामना कर रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और नेपाल की सेना मौके पर पहुंच गई है। नेपाल की सेना द्वारा राहत बचाव का कार्य शुरू कर दिया गया है। लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला जा रहा है। पुलिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार सुबह 11.30 बजे हुई। ज्ञात हो कि पोखरा नेपाल का टूरिस्ट स्थान है। नेपाल घूमने के लिए आने वाले लोग पोखरा जरूर आते हैं। बताया जा रहा है कि सभी 40 लोग घूमने के सिलसिले में नेपाल आए थे। वहीं, गाड़ी उत्तर प्रदेश की है। माना जा रहा है कि बस में सवार लोग भी यूपी के रहने वाले हो सकते हैं। इधर, उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त के अनुसार, नेपाल में हुई घटना के संबंध में, हम यह पता लगाने के लिए संपर्क स्थापित कर रहे हैं कि क्या राज्य से कोई इसमें शामिल है या नहीं।

हिमाचल प्रदेश के मंडी-भरारी पुल में आईं दरारें, गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल

कुल्लू।

हिमाचल प्रदेश के मंडी-भरारी पुल में दरारें पड़ गई हैं। इससे कीरतपुर-मनाली हाईवे की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं और इसकी जांच की मांग उठने लगी है। यह पुल चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर भाखड़ा बांध जलाशय के ऊपर बना है। यह पुल 750 मीटर लंबा है। पिछले साल ही इस पुल को लोगों के लिए खोला दिया गया था, लेकिन निर्माण के एक साल के अंदर ही इसमें दरारें पड़ गईं। एक हफ्ते पहले दरारें देखी गईं, जिसके बाद प्रशासन को पुल की एक लेन को बंद करना पड़ा और दूसरी लेन से वाहनों की आवाजाही शुरु की गई। घटनास्थल का दौरा करने वाले पूर्व मंत्री राम लाल ठाकूर ने बताया कि हाईवे में आई दरारों से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा नियुक्त की कंपनी ने घटिया सड़क निर्माण किया है। ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता का दावा करती है लेकिन उनके दावों पर्दाफाश हो रहा है। अगर भरारी पुल की निर्माण गुणवत्ता ऐसी है, तो बाकी हाईवे और पुलों का क्या हाल होगा। पुल का एक हिस्सा झुक गया है। बिलासपुर जिला परिषद के उपाध्यक्ष मान सिंह धीमान ने भी घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने कंपनी पर भरारी पुल के निर्माण में लापरवाही का आरोप लगाया है। यह पुल झंडूता और घुमारवीं उप-मंडलों की पंचायतों को बिलासपुर उप-मंडल को जोड़ता है। बिलासपुर स्थित फोरलेन विस्थापित और प्रभावित समिति के महासचिव मदन लाल शर्मा कहा कि जब पारदर्शिता की बात आती है तो नेशनल हाइवे सबसे खराब है। बार-बार मांग के बावजूद किरतपुर-मनाली हाईवे से जुड़ी कोई भी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला है, जिसके परिणामस्वरूप घटिया काम हुआ है।

दस साल में पहली बार पीएम मोदी से मिलेंगे कर्मचारी नेता, मांगों पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

पीएम मोदी अपने कार्यकाल के दस साल में पहली बार कर्मचारी नेताओं से मुलाकात करेंगे। केंद्र सरकार ने यूनियन नेताओं को संदेशा भेजा है। यूनियन नेताओं को शनिवार को पीएम आवास पर मिलने बुलाया गया है लेकिन खबर है कि यूनियन नेताओं को वक्त के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

राजनीति पंडितों का कहना है कि लोकसभा चुनाव के बाद मोदी सरकार के तेवर बदले नजर आ रहे हैं। तभी तो पहली बार पीएम मोदी, केंद्र सरकार के कर्मचारी नेताओं के साथ बैठक करेंगे। केंद्र सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग के जेसीए सेक्शन से नेशनल काउंसिल के सचिव शिव गोपाल मिश्रा को बीते दिनों एक पत्र लिखा है। इसमें पीएम मोदी के साथ बैठक की बात की है। इससे पहले, पीएम मोदी के दो कार्यकाल के दौरान इन नेताओं को कभी सीधे बैठक करने का मौका नहीं मिला है।

यूनियन नेताओं का कहना है कि पीएम मोदी के साथ होने वाली इस बैठक में हर मसले पर बातचीत होगी। आठवें वेतन आयोग, ओल्ड पेंशन स्कीम की वापसी आदि पर कुछ समाधान निकलने की उम्मीद है। बताया जा रहा है कि इस बैठक में पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने पर सबसे ज्यादा जोर रहेगा। पीएम के बुलावे पर मिश्रा ने बताया कि स्टाफ प्रतिनिधियों ने पीएम मोदी से मुलाकात की मांग की थी।

बता दें केंद्र सरकार और केंद्रीय पीएसयू कर्मचारियों की यूनियनों ने पहले एक मई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का फैसला किया था। इसके बाद सरकार बातचीत के बाद इसे टाल दिया था। वे पुरानी पेंशन योजना की बहाली और सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण और निगमीकरण को रोकने की मांग कर रहे हैं। कर्मचारी केंद्र सरकार से विभिन्न विभागों में मौजूदा पदों को भरने की भी मांग कर रहे हैं।

मालदीव की तर्ज पर भारत में भी उड़ेंगे सी-प्लेन, केंद्र ने बनाया प्लान

नई दिल्ली। (एजेंसी)

मालदीव की तर्ज पर केंद्र सरकार ने देश में सी-प्लेन सेवा को बढ़ावा देने गाइडलाइन तैयार की हैं। इसमें नॉन-शेड्यूल ऑपरेटर भी इस सर्विस को शुरू कर सकेंगे। नई गाइडलाइंस में सी-प्लेन सर्विस को शुरू करने के लिए जरुरी लाइसेंस और एनओसी प्रक्रिया को आसान बनाया है। इसका मकसद विमान सेवा के तहत सी-प्लेन सेवा को बढ़ावा देना है। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा कि मालदीव अपने देश में 108 सी-प्लेन सर्विस दे रहा है। भारत में भी इसका स्कोप है। हमारे देश में हजारों किलोमीटर का समुद्री क्षेत्र है। जहां सी-प्लेन सेवा को बड़े स्तर पर शुरू किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार चाह रही है कि देश में सी-प्लेन बनाया जाएं और यहां उनकी मेंटेनेंस करने के लिए एमआरओ भी खुलें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों ने सी-प्लेन सर्विस को शुरू करने में रुचि दिखाई है। एक अक्टूबर को विजयवाड़ा से समुद्री विमान की डेमो उड़ान शुरू होगी। इसके लिए

डीजीसीए ने गाइडलाइंस तैयार की है। इसमें वाटर ड्रोम लाइसेंस की जरुरत नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ जरूरी आवश्यकताओं के साथ ही सीपीएल धारक अब सीधे सी-प्लेन रेटिंग ले सकेंगे। जिससे उन्हें सी-प्लेन उड़ाने की इजाजत मिल जाएगी। देश में 31 अक्टूबर 2020 को पीएम मोदी ने सी-प्लेन सेवा शुरू की थी। यह अहमदाबाद के साबरमती रिवर फ्रंट से केवड़िया में स्थित स्टेच्यू ऑफ यूनिटी तक की थी। अंडमान और निकोबार में भी यह शुरू हुई थी लेकिन यह लंबे समय तक नहीं चली। इसके बाद फिर केंद्र सरकार इसे बड़े स्तर पर शुरू करने की योजना बना रही है। इसके तहत तीन सालों में 100 से ज्यादा रूट पर यह सेवाएं शुरू की जाएंगी। इसके साथ ही सरकार अंडमान एवं निकोबार, लक्षद्वीप, गोवा, असम, आंध्र प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में 18 स्थानों पर पानी के इलाकों में हवाई क्षेत्र स्थापित करने की योजना बना रही है।

सुप्रीम कोर्ट में सीबीआई ने पेश किया हलफनामा, कहा-

केजरीवाल ही हैं शराब घोटाले के मास्टरमाइंड

नई दिल्ली। (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट में सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत के मामले में सीबीआई ने अपना जवाबी हलफनामा दाखिल किया है। जिसमें सीबीआई ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत दिए जाने का विरोध किया है। अपने जवाब में सीबीआई ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल इस घोटाले के किंगपिन हैं। बिना आबकारी विभाग के मंत्री रहते हुए भी पूरे घोटाले की योजना बनाने वाले हैं। उनको इस घोटाले का सब कुछ पता था क्योंकि सारे फैसले उनकी सहमति और निर्देशन में ही हुए। इसके अलावा अरविंद केजरीवाल जांच एजेंसी सीबीआई के सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दे रहे हैं।

सीबीआई ने कहा कि अरविंद के केजरीवाल अदालत के सामने मामले को राजनीतिक रूप से सनसनीखेज बनाने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल की याचिका को खारिज करते हुए कहा था कि यह नहीं कहा जा सकता है कि याचिकाकर्ता की गिरफ्तारी बिना किसी उचित कारण के थी या अवैध थी। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में निचली अदालत द्वारा केजरीवाल को गिरफ्तार करने और हिरासत में भेजने की अनुमति को उचित ठहराया था। जिसके लिए प्रक्रिया का विधिवत पालन किया गया। सीबीआई ने कहा कि जहां तक मेडिकल ग्राउंड पर अंतरिम जमानत के दावे का सवाल है, तो बीमारियों के संबंध में, जेल नियमों और मैनुअल के अनुसार तिहाड़ जेल अस्पताल या उसके किसी भी रेफरल अस्पताल में इलाज किया जा सकता है। याचिकाकर्ता द्वारा मेडिकल जमानत पर रिहा किए जाने का कोई मामला नहीं बनता है, जिसे केवल तभी दिया जाना चाहिए जब जेल में इलाज संभव न हो। केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच आज 23 अगस्त को सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने पिछली सुनवाई के दौरान 14 अगस्त को सीबीआई को नोटिस जारी कर अरविंद केजरीवाल की अर्जी पर जवाब मांगा था।

करुणानिधि का चला सिक्का.....
तमिलनाडु में एक होंगे डीएमके-बीजेपी

चेन्नई। (एजेंसी)

चेन्नई में डीएमके संस्थापक एम करुणानिधि का शताब्दी समारोह में केंद्र सरकार की ओर से रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। तमिलनाडु के सीएम स्टालिन भी मौजूद थे। कार्यक्रम में राजनाथ ने करुणानिधि और स्टालिन की तारीफ की, वहीं स्टालिन ने भी राजनाथ सिंह और आयोजन की खूब तारीफ की। स्टालिन ने यहां तक कह दिया कि राजनाथ ने करुणानिधि के बारे में जितनी बातें कहीं, उतनी तो कई बार डीएमके के नेता भी नहीं कर पाते हैं। यह आयोजन केंद्र सरकार की ओर से किया गया था।

आयोजन के बाद डीएमके और बीजेपी के बीच सियासी संबंधों को लेकर चर्चा शुरू हो गई। कुछ डीएमके नेताओं ने भी इस पर सवाल उठाए। एआईएडीएमके ने इसे डीएमके-बीजेपी के बीच गुप्त समझौता बताया है। कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि कार्यक्रम में राहुल गांधी को क्यों नहीं बुलाया गया? मामला बढ़ने के बाद स्टालिन को बयान देना पड़ा कि आयोजन केंद्र सरकार ने आयोजित किया था, ऐसे में कौन आएगा और कौन नहीं, यह तय करने का अधिकार उनके पास नहीं था। उन्होंने संकेत दिया कि कांग्रेस-डीएमके का गठबंधन आगे भी जारी रहेगा। इस कार्यक्रम से नई चर्चा शुरू हो गई है।

स्टालिन ने कहा कि 'सिर' इसलिए हमने राजनाथ सिंह को आमंत्रित किया, उन्होंने यह गलत सूचना फैलाना शुरू कर दिया कि डीएमके, बीजेपी के साथ गठबंधन करेगी। बीजेपी के साथ कोई गठबंधन करने की हमारी मजबूरी नहीं है। डीएमके पर इंदिरा गांधी के शब्दों को याद करते हुए स्टालिन ने कहा कि पूर्व पीएम इंदिरा जी ने डीएमके की तारीफ करते हुए कहा था कि अगर करुणानिधि कभी किसी पार्टी का समर्थन या विरोध करने का फैसला करते हैं तो यह विचारधारा के आधार पर होगा।

स्टालिन ने कहा कि गठबंधन पर डीएमके के रुख को साफ करने के लिए ये शब्द पर्याप्त थे। स्टालिन ने एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी की आलोचना करते हुए कहा कि डीएमके ने केंद्र की निंदा करके गठबंधन बनाने पर अपना रुख साफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि पलानीस्वामी की तरह डीएमके को भी पद पाने के लिए रेंगने की आदत नहीं है।

सीजेआई ने 27 को क्यों बुलाया मध्य प्रदेश सहित 15 राज्यों के मुख्य सचिव और वित्त सचिवों को

नई दिल्ली। (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली सहित 15 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव (सीएस) और वित्त सचिवों को 27 अगस्त को व्यक्तिशः कोर्ट में तलब किया है। चीफ जस्टिस डीवाइ चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने द्वितीय राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार न्यायिक अधिकारियों को बकाया भुगतान के बारे में अदालत के निर्देश की पालना नहीं करने पर यह निर्देश दिए।

सुप्रीम कोर्ट ने 11 जुलाई को विभिन्न राज्यों व यूटी को अनुपालना के बारे में हलफनामा दाखिल करने के लिए 20 अगस्त तक की अंतिम समय सीमा दी थी। सीजेआइ की बेंच में सुनवाई के दौरान मिकस क्यूरी वरिष्ठ अधिवक्ता के.परमेश्वर ने कोर्ट को सूचित किया कि 15 राज्यों और यूटी ने अदालती निर्देशों की पालना नहीं की है।

इसपर सुप्रीम कोर्ट ने 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को व्यक्तिगत रूप से पेश होने और यह बताने को कहा कि उन्होंने न्यायिक अधिकारियों को पेंशन बकाया और सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान पर दूसरे राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग की सिफारिशों को क्यों लागू नहीं किया है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ की अध्यक्षता कर रहे मुख्य न्यायाधीश डी वाइ चंद्रचूड़ ने कहा, मैं देख सकता हूं कि कोई ठोस अनुपालन नहीं हुआ है। उन्हें व्यक्तिगत रूप से हमारे सामने पेश होना होगा या हम उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी कर सकते है। तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, आंध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, दिल्ली, असम, नागालैंड, मेघालय, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, झारखंड, केरल, बिहार, गोवा, हरियाणा और ओडिशा के शीर्ष नौकरशाहों को सुनवाई की अगली तारीख 27 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से पेश होना होगा। अनुपालन न करने पर कड़ी नाराजगी जताकर पीठ ने कहा था, हमें अब अनुपालन करवाना आता है। अगर हम सिर्फ यह कहें कि हलफनामा दाखिल न होने पर मुख्य सचिव मौजूद रहेंगे तब हलफनामा दाखिल नहीं होगा। पीठ ने कहा था, हम उन्हें जेल नहीं भेज रहे हैं, लेकिन उन्हें यहां रहने दें और फिर हलफनामा दाखिल किया जाएगा। उन्हें अब व्यक्तिगत रूप से पेश होने दें।

सरकार बंद कर सकती है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना!

- सरकार ने कहा, महंगी और जटिल पड़ रही योजना, जेब से देना पड़ रहा है रिटर्न

नई दिल्ली। (एजेंसी)

देश में सोने के बढ़ते आयात पर प्रतिबंध लगाने के लिए लाई गई सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) योजना को सरकार बंद कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक सरकार का मानना है कि यह एक महंगा और जटिल निवेश साधन है। इस कारण सरकार अब आगे सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड जारी नहीं रख सकती हैं। हालांकि, सरकार की ओर से इस योजना को बंद करने की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इससे पहले ही कयासों का दौर शुरू हो चुका है और बाजार लगभग इस फैसले के लिए तैयार दिख रहा है। सेकेंडरी मार्केट्स में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की मांग में तेजी देखने को मिली है। सरकार ने पेपर गोल्ड के तौर पर सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड को 2015 में पेश किया था। आरबीआई इसका प्रबंधन करता है। सरकार एसजीबी योजना के जरिये बाजार से कम मूल्य पर सोना खरीदने का विकल्प देती है। इसकी मेच्योरिटी अवधि आठ साल है। साथ ही, खरीदारों को 2.5 फीसदी रिटर्न भी मिलता है। इस योजना के पेश होने के बाद से अब तक कुल 67 किस्त जारी हो चुकी है, जिसमें निवेशकों ने 72,274 करोड़ का निवेश किया है। इनमें से चार किस्त पूरी तरह मेच्योर हो चुकी है। 2015 में यह योजना पेश हुई थी, तब इसका इश्यू प्राइज 2,684 रुपये प्रति ग्राम था। 2023 में इसकी मेच्योरिटी पूरी हुई थी, तब रिडम्पशन प्राइज 6,132 रुपये तय किया गया था। इस तरह, निवेशकों को आठ साल में 2.28 गुना मुनाफा हुआ था। दरअसल, 2015 और 2017 के बीच जारी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के पहले चार किस्तों में निवेशकों की ओर से लगाया गया पैसा दोगुना से भी ज्यादा हो गया है। ऐसे में निवेशकों को रिटर्न सरकार को अपनी जेब से देना पड़ रहा है।

केंद्र ने दी जेड प्लस सुरक्षा, शरद पवार को उनकी जासूसी होने का शक

मुंबई। (एजेंसी)

महाराष्ट्र चुनाव से पहले केंद्र सरकार ने शरद पवार की सुरक्षा बढ़ा दी है। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार को जेड प्लस सुरक्षा दी गई है, जिसपर उन्होंने हैरानी जताई है। उन्होंने केंद्र के फैसले पर शक जताया है। शरद ने उन्हें जेड प्लस सुरक्षा मिलने पर उनकी जासूसी होने का शक जताया है। उन्होंने कहा कि मेरी जानकारी प्राप्त करने का ये एक तरीका अच्छा है, क्योंकि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। केंद्र ने पवार को जेड प्लस सुरक्षा प्रदान कर दी है। पवार से जब सुरक्षा बढ़ाए जाने के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस कदम के पीछे के कारण के बारे में पता नहीं है। शरद ने चुटकी लेते हुए कहा कि शायद चूंकि चुनाव नजदीक आ रहे हैं, इसलिए मेरे बारे में जानकारी प्राप्त करने का एक तरीका हो सकता है। बता दें कि सीआरपीएफ के 55 जवानों की एक टीम को पवार के जेड प्लस सुरक्षा देगी। आधिकारिक सूत्रों ने पहले बताया था कि केंद्रीय एजेंसियों द्वारा एक खतरा आकलन समीक्षा ने पवार के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवर की सिफारिश की थी। शरद की पार्टी एनसीपी (एसपी) विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा है, जिसमें उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस भी शामिल हैं, जिसने राज्य में 48 सीटों में से 30 सीटें जीतकर लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया था।

वहीं, बीजेपी, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को केवल 17 सीटें हासिल हुई थीं। 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव अक्टूबर-नवंबर में होने हैं।

सर्वे में खुलासाः हरियाणा, जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र, झारखंड चुनाव के अप्रत्याशित नतीजे

नई दिल्ली। (एजेंसी)

चार राज्यों में विधानसभा चुनावों से पहले एक सर्वे किया गया है। इस सर्वे में हरियाणा, जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र, झारखंड चुनाव के अप्रत्याशित नतीजे सामने आए हैं। सर्वे में एनडीए को 44फीसदी वोट और 299 सीटें मिल सकती हैं। वहीं, इंडिया गठबंधन को 40फीसदी वोट और 233 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। अन्य दलों को 16फीसदी वोट और 11 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। यह सर्वे बताता है कि मुकाबला काफी कड़ा है। एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच वोट फीसदी में ज्यादा अंतर नहीं है। जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में चुनाव होना है। 18 व 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। चार अक्टूबर को परिणाम सामने आ जाएंगे। केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले जनता का मूड भांपने के लिए एक टीवी चैनल ने सर्वे कराया है। सर्वे के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के 47 फीसदी लोगों का कहना है कि बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। धारा 370 खत्म होने के बाद पहली बार राज्य में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। अगर आज जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव हुए तो महबूबा मुफ्ती की अगुवाई वाली पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को एक सीट मिल सकती है। सर्वे के मुताबिक हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीतने वाली पीडीपी कुल पांच में से एक सीट जीत सकती है। सर्वे में महाराष्ट्र में जनता की संतुष्टि और असंतोष के बारे में महत्वपूर्ण आंकड़े सामने आए हैं, जो राज्य की मौजूदा राजनीतिक स्थिति बयां करते हैं। सर्वे के मुताबिक महाराष्ट्र में 25फीसदी लोग राज्य सरकार के कामकाज से संतुष्ट हैं, जबकि 34फीसदी लोग कुछ हद तक ही संतुष्ट हैं लेकिन करीब 34फीसदी ने ही सरकार के काम पर असंतोष जताया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कामकाज से 35फीसदी लोग संतुष्ट हैं, जबकि 31फीसदी लोग कुछ हद तक संतुष्ट हैं। 28फीसदी लोग उनके कामकाज से नाराज हैं।

दिल्ली में हुई झमाझम, लोगों को मिली उमस से राहत, तीन दिन का यलो अलर्ट

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में उमस भरी गर्मी के बाद शुक्रवार को आकाश में घने बदल छा गए जिसके बाद कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। इसके मद्देनजर मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया था। बारिश के बाद दिल्ली के कई इलाकों में पानी भर गया।

मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जताई है। पिछले दिन उमस भरी गर्मी होने से अधिकतम तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। बारिश के बाद उमस से राहत मिली। मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार को भी दिल्ली में हल्की बारिश हो सकती है लेकिन इसके बाद रविवार अगले सप्ताह में मंगलवार तक दिल्ली में हल्की बारिश हो सकती है। इसलिए मौसम विभाग ने रविवार से मंगलवार तक तीन दिन का यलो अलर्ट जारी किया है। इस बीच दिल्ली में एयर इंडेक्स 100 से कम होने से हवा की गुणवत्ता संतोषजनक बनी हुई है।

दिल्ली-एनसीआर में लगा जाम, लोग होते रहे परेशान

दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को तेज बारिश हुई जिससे कई इलाकों में पानी भर गया तो वहीं कई मार्गों पर जाम लग गया। उधर, जाम लगने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को अलर्ट किया है कि घर से निकलने से पहले अपना मार्ग देख लें।

एनसीआर में तेज बारिश से धौला कुआं से राजौरी गार्डन तक जाम लगा गया। इसके अलावा साउथ एक्सटेंशन से मोती बाग तक भी लंबा जाम में लोग फंसे रहे। बारिश के चलते पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने छत्ता रेल से पीली कोठी की ओर जाने वाले कैरिजवे में सिविक एजेंसी के चल रहे काम के कारण यातायात प्रभावित हुआ। छत्ता रेल रेड लाइट से डायवर्जन किया गया है। धौला कुआं फ्लाईओवर के नीचे भारी जलभराव से रिंग रोड, वर्दे मातरम मार्ग और जीजीआर पर यातायात प्रभावित हुआ। सत्य निकेतन बस स्टैंड के पास भारी जलभराव के कारण सफदरजंग से धौला कुआं की ओर और इसके विपरीत रिंग रोड पर दोनों कैरिजवे पर यातायात बाधित हो गया।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में बाघ की मौत, वन विभाग ने जताई दो बाघों में संघर्ष की आशंका

बेतिया। बिहार के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में बाघ का शव बरामद हुआ है। मृत बाघ की उम्र करीब पांच साल बताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद वन विभाग के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए। एक अधिकारी ने बताया कि वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के मंगुराहा वन क्षेत्र के कक्ष संख्या 46 में शुक्रवार को एक बाघ का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। बाघ के शरीर पर जख्म के निशान होने की आशंका जताई जा रही है कि दो बाघों के आपसी संघर्ष में इस उसकी मौत हुई होगी। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के निदेशक ने बताया कि मृत नर बाघ के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। बाघ की मौत दूसरे बाघ से लड़ाई के दौरान हुई है। घटना स्थल पर मिले फुट प्रिंट देखकर खूनी संघर्ष का अनुमान लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का सही पता चल सकेगा। पोस्टमार्टम के बाद मृत बाघ का अंतिम संस्कार कर किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वाल्मीकि टाइगर प्रोजेक्ट में बाघों की संख्या तेजी से बढ़ी है। बाघ एक कंपार्ट से दूसरे कंपार्ट में आते-जाते हैं। विभाग दूसरे बाघ की भी तलाश कर रहा है। कहा जा रहा है कि संघर्ष में वह भी जख्मी हुआ होगा।

महेंद्रगढ़ की हिली धरती, घरों से बाहर आए लोग, नुकसान की सूचना नहीं

महेंद्रगढ़। हरियाणा के महेंद्रगढ़ में शुक्रवार सुबह लोग घरों से बाहर भागने लगे बस सभी ये ही कर रहे थे बाहर निकाली-बाहर निकालो। लोगों के घर से भागने का कारण भूकंप के झटके महसूस थे। भूकंप शुक्रवार सुबह 9.16 मिनट 38 सेकेंड पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसकी तीव्रता 3.0 मैग्नीट्यूड थी। पूरे जिले के लोगो में डर का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से लोग अपने मकानों, दुकानों व ऑफिस से बहार निकलकर खड़े हो गए। हालांकि किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। मौसम विशेषज्ञ और भूगोल विद डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि भूकंप का केंद्र नारनौल के पास 28.12 अक्षांश और देशांतर 76.21 में तिगरा गांव रहा। दिल्ली-एनसीआर में आए भूकंप का मुख्य कारण प्लेट टेक्टोनिक्स प्रक्रिया ही है। महेंद्रगढ़-देहरादून फॉल्ट लाइन पर महेंद्रगढ़ जिले से कुछ हिस्सा रेवाड़ी, झज्जर रोहतक होते हुए पानीपत और इसके बाद उत्तराखंड में देहरादून तक आते हैं। दिल्ली-एनसीआर में पांच फॉल्ट लाइन हैं। इनमें महेंद्रगढ़-देहरादून, दिल्ली-मुरादाबाद, दिल्ली-सरगौधा रिज और दिल्ली-हरिद्वार रिज शामिल हैं। इन फॉल्ट लाइन में ही जमीन की अंदरूनी प्लेटें आपस में टकराती हैं और हलचल पैदा करती है। वहीं महेंद्रगढ़ जिले के इस क्षेत्र में कई प्रकार की प्राकृतिक आपदाएं आने की आशंका बनी रहती हैं।

इंदौर में निर्माणाधीन फार्म हाउस का ऊपरी हिस्सा गिरा....6 मजदूरों की मौत

इंदौर । मध्य प्रदेश की कारोबारी राजधानी इंदौर के महू इलाके में एक बड़ा हादसा हुआ। यहां निर्माणाधीन फार्म हाउस का ऊपरी हिस्सा ढहने से उसके नीचे छह से ज्यादा मजदूर दबे गए हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है। जानकारी के अनुसार, महू के चोरल इलाके में एक फार्म हाउस का निर्माण कार्य चल रहा है। तभी रात में ही फार्म हाउस का ऊपरी हिस्सा गिर गया और मजदूर उसके नीचे दब गए। लोगों के अनुसार देर रात को हुए हादसे की जानकारी शुक्रवार की सुबह लगी। हादसे की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया है और जेसीबी की मदद से मलबा हटाने के साथ राहत और बचाव कार्य जारी है। मलबे के नीचे दबे मजदूरों को निकाला जा रहा है। इस हादसे में कई मजदूरों की मौत की आशंका है। ज्ञात हो कि इन दिनों बारिश का दौर जारी है और लगातार हादसे हो रहे हैं। एक ओर जहां पुराने और जर्जर मकानों के गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं, वहीं इंदौर में निर्माणाधीन फार्म हाउस में हादसा हुआ है। पिछले दिनों रीवा जिले में स्कूल की दीवार गिरने से चार बच्चों की मौत हो गई थी। इसके अलावा सागर जिले में पार्थिव शिवलिंग का निर्माण करते समय बच्चों पर दीवार गिर गई थी। इस हादसे में नौ बच्चों की मौत हुई थी। इन दो बड़े हादसों के बाद राज्य में जर्जर और कमजोर मकान के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

उत्तराखंडः भूस्खलन के मलवे में दबकर 4 नेपाली श्रमिकों की मौत

देहरादून। (एजेंसी)

उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश के चलते रुद्रप्रयाग जनपद के फाटा के पास भूस्खलन हो गया। जिसके मलवे में दबने से 4 नेपाली श्रमिकों की मौत हो गई। एसडीआरएफ ने चारों के शव बरामद किए हैं। मृतकों में तूल बहादुर पुत्र हरक सिंह बहादुर, पूरना नेपाली, किशना परिहार तीनों निवासी जिला चीतोन ऑयल नारायणी, नेपाल और चीकू बूरा पुत्र खड़क बहादुर निवासी देहलेख आंचल करनाली नेपाल शामिल हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि देर रात 1:20 पर रुद्रप्रयाग में फाटा हेलीपैड के पास खाट गदेरे में आए मलबे में चार लोगों के फंसने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव कार्य के लिए रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा गया। हालांकि सुबह उनके शव ही बरामद हो सके।

देर रात एक बार फिर केदारनाथ मार्ग पर फाटा के पास हादसा हो गया। मूसलाधार बारिश के कारण फाटा के खाट गदेरे के पास भारी मात्रा में मलबा आ गया, जिससे चार लोग मलबे में दब गए। चार मजदूरों के मलबे में दबने की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई। रेस्क्यू टीम को भी कड़ी मशक्कत के बाद घटनास्थल तक पहुंचने में समय लग गया। पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश आफत बनकर बरस रही है। जगह-जगह भूस्खलन और भूधंसाव के कारण नुकसान हो रहा है। केदारनाथ मार्ग पर भी हालात खराब है। 31 जुलाई को अतिवृष्टि के बाद से इस मार्ग को सुचारू करने के लिए कार्य किया जा रहा है।

डोलिया देवी मार्ग अवरुद्ध होने के कारण टीम 2 किलोमीटर पैदल चलकर घटनास्थल तक पहुंची। भारी बारिश और मलबे के चलते जेसीबी वहां तक पहुंचना मुश्किल था, जिस कारण एसडीआरएफ के जवानों ने खुद ही मलबा हटाना शुरू किया। रेस्क्यू के दौरान मलबे में दबे चार मजदूरों के शव बरामद हुए। वहीं देहरादून जिले के मालदेवता क्षेत्र में देर रात मूसलाधार बारिश के कारण कुछ लोगों के घरों में पानी घुस गया।

सूचना मिलने पर एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची। हालांकि तब तक कुछ लोग खुद ही अपने घरों से बाहर निकल आए थे, जबकि कुछ लोगों का एसडीआरएफ टीम ने घरों से बाहर निकाला गया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

15 दिन में फांसी.....कानूनी जानकारों ने कहा तकनीकी रुप से नहीं हो सकता

ममता ने पीएम मोदी को पत्र लिख अपील की

नई दिल्ली। कोलकाता में जूनियर डॉक्टर की रेप के बाद हत्या के मामले में चौतरफा आलोचना झेल रहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। ममता ने पत्र में अपील की है कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए इसतरह के मामलों में सुनवाई अधिकतम 15 दिनों के अंदर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में हर दिन रेप के 90 मामले सामने आते हैं, यह बेहद भयावह स्थिति है। दरिंदगी की घटना पर घिरी ममता ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में देश में महिलाओं के प्रति बढ़ती घटनाओं की तरफ ध्यान खींचते हुए लिखा है कि इन अपराधों को रोकने के लिए केंद्रीय कानून लाने की जरूरत है, ताकि इसतरह के अपराधों में शामिल व्यक्तियों को कठोर सजा दिलाई जा सके।

दरअसल, ममता सरकार को मामले में स्वत:- संज्ञान लेने वाले सुप्रीम कोर्ट ने भी कड़ी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार की पुलिस के रवैये पर भी कई सवाल उठाए। खासकर एफआईआर में देरी और मौका-ए-वारदात पर हजारों की भीड़ कैसे जुट गई थी? सुबूतों की सुरक्षा क्यों नहीं कराई गई? सुप्रीम कोर्ट में वकील बताते हैं कि जब चार्जशीट फाइल की जाएगी तब चार्जशीट, उसके साथ जुटाए गए सारे सुबूत आरोपी को मुहैया कराया जाएगा। भारतीय दंड संहिता की धारा 207 में यह नियम था। आरोपी से कहा जाता है कि वह यह देख ले कि सारे डॉक्यूमेंट्स उपलब्ध हैं या नहीं। उसके राजी होने के बाद केस की चार्जशीट कोर्ट में फाइल होती है। अगर, ये मामले पॉक्सो का मैटर नहीं है, तब सबसे पहले मजिस्ट्रेट के पास चार्जशीट फाइल होगी। इसके बाद वह इस मामले का ट्रायल करने के लिए उसे सेशन कोर्ट को रेफर करेगा, जहां इसकी सुनवाई होगी।

40 भारतीयों को लेकर काठमांडू जा रही बस नदी में गिरी, 14 लोगों के शव बरामद

काठमांडू । नेपाल में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हुआ है। नेपाल के तनहुं जिले में नदी में मर्सयांगदी नदी में अचानक बस गिर गई। बताया गया कि यह बस यूपी नंबर की थी, इसमें 40 यात्री सवार थे। अभी तक 14 लोगों के शव बरामद हुए हैं। जिला पुलिस कार्यालय तनहुन के डीएसपी दीपकुमार राया ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि यूपी एफटी 7623 नंबर प्लेट वाली बस नदी में गिर गई और नदी के किनारे पर पड़ी है। घटना के बाद से सोशल मीडिया यूजर लगातार नेपाल की सड़क हादसे का वीडियो और फोटो शेयर कर रहे हैं और लोगों के सुरक्षित होने की कामना कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और नेपाल की सेना मौके पर पहुंच गई है। नेपाल की सेना द्वारा राहत बचाव का कार्य शुरू कर दिया गया है। लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला जा रहा है। पुलिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार सुबह 11.30 बजे हुई। ज्ञात हो कि पोखरा नेपाल का टूरिस्ट स्थान है। नेपाल घूमने के लिए आने वाले लोग पोखरा जरूर आते हैं। बताया जा रहा है कि सभी 40 लोग घूमने के सिलसिले में नेपाल आए थे। वहीं, गाड़ी उत्तर प्रदेश की है। माना जा रहा है कि बस में सवार लोग भी यूपी के रहने वाले हो सकते है। इधर, उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त के अनुसार, नेपाल में हुई घटना के संबंध में, हम यह पता लगाने के लिए संपर्क स्थापित कर रहे हैं कि क्या राज्य से कोई इसमें शामिल है या नहीं।

पीएम मोदी की यूक्रेन यात्रा स्थाई निष्पक्ष शांति लाने में जरुर गति लाएगी, यूक्रेन की पूर्व पीएम यूलिया टिमोशेंको को भारत से बहुत आशा

कीव। पीएम मोदी के यूक्रेन दौरे पर यूक्रेन की पूर्व पीएम यूलिया टिमोशेंको ने कहा कि दुर्भाग्य से यूक्रेन उन देशों में से एक है, जिन्होंने युद्ध की स्थिति का अनुभव किया और यूक्रेनी लोग उन लोगों में से हैं जो शांति चाहते हैं क्योंकि हमें भारी नुकसान हुआ है। हमारे करीबी की मौत हुई है इसलिए हमारा मानना ??है कि युद्ध से ऊपर शांति है जिसे हम हासिल करना चाहते हैं। यूक्रेन का इतिहास साबित करता है कि हम दुनिया में एक शांतिप्रिय देश हैं, जब यूक्रेन आजाद हुआ था तो हमने अपनी सेना में भारी कमी कर दी थी और दुर्भाग्य से अब हम इस युद्ध का सामना कर रहे हैं। पीएम मोदी शांति के लिए एक साझा दृष्टिकोण विकसित करें जो स्थिर, टिकाऊ और निष्पक्ष शांति लाएगा। उन्होंने कहा कि भारत के पीएम हमारे लिए महान व्यक्ति हैं। उन्होंने एक गौरवशाली राष्ट्र के रूप में विकास के लिए भारतीय लोगों की बढ़ती समृद्धि में बहुत योगदान दिया। टिमोशेंको ने कहा कि पीएम मोदी की यात्रा न केवल हमारे लिए ऐतिहासिक है, बल्कि यह हमें आशा भी देती है कि यह व्यापक यूरोपीय क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव के साथ यूक्रेन में स्थाई निष्पक्ष शांति लाने के लिए जरुर गति लाएगी। मोदी की प्रमुख स्थिति और अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र के क़ानून के प्रति उनके सम्मान को जानते हुए यह शांति वार्ता संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल सिद्धांत और भारत की विदेश नीति पर आधारित होगी जिसमें संप्रभुता का सम्मान शामिल है।

इलेक्ट्रिक स्कूटर से लगी आग...चार बच्चों सहित छह लोगों की मौत

नोवी साद । उत्तरी सर्बिया के नोवी साद शहर में शुक्रवार तड़के एक घर में आग लगने से चार बच्चों सहित छह लोगों की जान चली गई। गृह मंत्री इविका डेसिक के अनुसार, आग लगने की यह घटना तड़के करीब तीन बजे की है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि आग की वजह चार्ज हो रहा इलेक्ट्रिक स्कूटर हो सकता है। यह घटना बेहद दर्दनाक है और इससे इलाके में गहरा शोक फैल गया है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं ताकि आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। वहीं मामले पर गृह मंत्री डेसिक ने बताया कि घटना राजधानी बेलग्राद से करीब 90 किलोमीटर उत्तर में नोवी साद में तड़के करीब तीन बजे की है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि आग की वजह चार्ज हो रहा इलेक्ट्रिक स्कूटर हो सकता है। इस तरह की घटनाएं इलेक्ट्रिक स्कूटर और अन्य बैटरी चालित उपकरणों की सुरक्षा पर भी सवाल उठाती हैं, क्योंकि आग लगने की घटनाएं अक्सर चार्जिंग के दौरान होती हैं। इस मामले में भी इलेक्ट्रिक स्कूटर की बैटरी में आई किसी खराबी के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

तालिबान शासकों के काननू......महिलाओं के बोलने पर प्रतिबंध

काबुल । तालिबान शासकों ने नए कानूनों के तहत सार्वजनिक रूप से महिलाओं के बोलने पर प्रतिबंध लगाया है। नए कानूनों के तहत महिलाओं को अब अपना चेहरा ढककर रखना होगा। कानून का पालन नहीं करने पर चेतावनी या गिरफ्तारी जैसे दंड दिए जाएंगे। तालिबानी सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा द्वारा अनुमोदित किए जाने के बाद ये कानून लागू कर दिए गए। इसमें कहा गया है कि महिलाओं के लिए सार्वजनिक स्थानों पर हर समय अपने शरीर को ढकना अनिवार्य है। कपड़े पतले, छोटे नहीं होने चाहिए। जीवित व्यक्तियों की तस्वीरों के प्रकाशन पर भी प्रतिबंध है। संगीत बजाने, अकेली महिला के अकेले यात्रा करने और उन पुरुषों और महिलाओं के मिलने-जुलने पर प्रतिबंध लगाता है जो एक-दूसरे से संबंधी नहीं हैं।

ब्रिटेन में बना हुआ है भारतीयों का दबदबा, 5 साल में 5 लाख भारतीयों को मिली नौकरी

लंदन । ब्रिटेन में भारतीयों का दबदबा बना हुआ है। पिछले 5 सालों में 15 लाख नौकरियां में से 5 लाख नौकरियां केवल भारतीय को मिली हैं। ब्रिटेन में अन्य देशों की जो लोग रह रहे हैं उनमें सबसे ज्यादा वर्कफोर्स भारतीयों का है। ब्रिटेन सरकार द्वारा जो अपॉइंटमेंट की रिपोर्ट जारी की गई है। उस पर पहले नंबर पर भारतीय हैं। दूसरे नंबर पर नाइजीरिया के लोग हैं। ब्रिटेन में 279000 नौकरियां नाइजीरिया नागरिकों को मिली है। भारतीय सबसे ज्यादा नेशनल हेल्थ मिशन, आईटी सेक्टर,एजुकेशन सेक्टर, रिटेल मैन्युफैक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन, ट्रांसपोर्ट और होटल इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा जाब मिले हैं।

मात्र 32 डिग्री के तापमान पर टेक्सास के लोग हुए बेहाल

टेक्सास। एक तरफ हम भारतीय खासकर उत्तर भारतीय 30-32 डिग्री सेल्सियस टेंपरेचर को सुहाना मौसम करार देते हैं, वहीं दूसरी ओर दुनिया के सबसे अमीर और विकसित देश में इतने टेंपरेचर में लोग हैरान परेशान हैं। उनके लिए यह भीषण गर्मी और उमस की स्थिति है। इस भीषण गर्मी की वजह से वहां जनजीवन काफी प्रभावित हुआ है। मांग काफी बढ़ जाने की वजह से वहां बिजली संकट पैदा हो गया है। लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। यहां रहने वाले लोगों का शरीर इतनी गर्मी झेलने का आदि नहीं है। यहां बुधवार और गुरुवार को औसत से काफी अधिक गर्मी पड़ी। रिपोर्ट के मुताबिक गर्मी और अमस के कारण यहां की स्वास्थ्य व्यवस्था भी चरमारा गई है।

आईसलैंड में एक ज्वालामुखी फटने के बाद उसमें से निकलता हुआ लावा।

पीएम मोदी ने जेलेंस्की को लगाया गले, जंग में मारे गए बच्चों को दी श्रद्धांजलि

कीव,(ईएमएस)। पिछले करीब ढाई साल से रूस और यूक्रेन की जारी जंग के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार सुबह यूक्रेन पहुंचे हैं। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात कर उन्हें गले लगाया। इसके साथ ही नेताद्वय यूक्रेन नेशनल म्यूजियम पहुंचे, जहां उन्होंने जंग के दौरान मारे गए बच्चों को श्रद्धांजलि अर्पित की। गौरतलब है कि इससे पहले पोलैंड से पीएम मोदी 10 घंटे का ट्रेन का सफर तय करने के बाद भारतीय समय अनुसार सुबह 10 बजे यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचे। यहां पीएम मोदी 7 घंटे का समय बिताएंगे। कीव पहुंचने पर पीएम मोदी का भारतीय समुदाय के लोगों ने जबरदस्त स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोमिन बोटैनिकल गार्डन में स्थित महात्मा गांधी की कांस्य प्रतिमा के समक्ष श्रद्धांजलि अर्पित की। यहां बताते चलें कि यूक्रेन का दौरा करने वाले पीएम मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं। दरअसल 1991 में सोवियत संघ के टूटने के बाद यूक्रेन की एक देश के तौर पर स्थापना हुई थी। तब से अभी तक कोई भी भारतीय प्रधानमंत्री यूक्रेन की यात्रा पर नहीं गया। पीएम मोदी का यह दौरा इसलिए भी खास हो जाता है, क्योंकि 24 फरवरी 2022 को रूस के हमले के बाद से अब तक नाटो देशों के अलावा किसी अन्य देश के नेता यूक्रेन दौरे पर नहीं पहुंचे है। यहां खास बात यह भी है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कुछ माह पहले ही पीएम मोदी को यूक्रेन आने का न्योता दिया था। बहरहाल पीएम मोदी कीव पहुंचे और नेशनल म्यूजियम में उन्होंने जेलेंस्की से मुलाकात की है। इस दौरान पीएम मोदी ने जेलेंस्की को गले लगाया। गौरतलब है कि रूस और यूक्रेन के बीच शुरु हुई जंग के बाद पीएम मोदी और जेलेंस्की की यह तीसरी मुलाकात है। इस पर दुनियां की निगाहें टिकी हुई हैं।

अमेरिकी यात्रा पर राजनाथ... किए दो महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और भारत ने आपूर्ति सुरक्षा व्यवस्था (सिक्योरिटी ऑफ सप्लाई अरेंजमेंट) पर हस्ताक्षर किए हैं। ये समझौता अमेरिकी रक्षा विभाग (डीओडी) और भारतीय रक्षा मंत्रालय (एमओडी) के बीच केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अमेरिका यात्रा के दौरान 22 अगस्त को हुआ है। अमरीकी रक्षा विभाग ने कहा कि इस समझौते से अमरीका और भारत राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रोत्साहन देने वाली वस्तुओं और सेवाओं के लिए आपसी सहायता प्रदान करने पर सहमत हैं। यह सौदा संकट के समय काफी अहम हो जाता है, जब किसी देश की तत्काल जरूरतें होती है। समझौता अब दीर्घकालिक आपूर्ति श्रृंखला स्थिरता को बढ़ावा देगा।

रक्षा मंत्री सिंह ने बताया कि वॉशिंगटन डीसी में दो महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए हैं। आपूर्ति सुरक्षा व्यवस्था (एसओएसए) के जरिए अमेरिका और भारत राष्ट्रीय रक्षा को बढ़ावा देने वाली वस्तुओं और सेवाओं के लिए पारस्परिक प्राथमिकता समर्थन देने के लिए सहमत हैं। अमेरिकी रक्षा विभाग (डीओडी) ने कहा कि आपूर्ति सुरक्षा व्यवस्था दोनों देशों के रक्षा संबंधों के लिए महत्वपूर्ण है। साथ ही यह अमेरिका-भारत रक्षा प्रौद्योगिकी और व्यापार पहल (डीटीटीआई) को मजबूत करने में भी अहम रोल निभाएगी।

इस समझौते के मुताबिक, अमेरिका रक्षा प्राथमिकता और आवंटन प्रणाली (डीपीएएस) के तहत भारत को आश्वासन प्रदान करेगा। इसके बदले में भारत औद्योगिक आधार के साथ एक तंत्र स्थापित करेगा। ये समझौते शांतिकाल, आपात स्थितियों और सशस्त्र संघर्षों में आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रक्रिया स्थापित करता है। ये समझौता रक्षा विभाग को उस देश की कंपनियों से अनुबंध करने में सक्षम बनाता है, जिसके साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते में एक प्रतिबद्धता है जो दोनों पक्षों को जरूरत पड़ने पर महत्वपूर्ण आपूर्ति, खनिजों और प्रौद्योगिकियों तक अधिक तेजी से पहुंच प्रदान करती है। भारत यूएस का 18वां एसओएसए भागीदार है। भारत और अमेरिका के इस समझौते की घोषणा पिछले साल लॉयड ऑस्टिन की भारत यात्रा के दौरान अमेरिका-भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिए एक नए रोडमैप के हिस्से के रूप में की गई थी। रक्षा मंत्री सिंह वर्तमान में 23 से 26 अगस्त तक अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर हैं। उनकी यह यात्रा अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के निमंत्रण पर हो रही है। अपनी यात्रा के दौरान सिंह पेंटागन में अपने अमेरिकी समकक्ष ऑस्टिन और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन के साथ द्विपक्षीय बैठक करने वाले है।

अमेरिका को न्यूक्लियर वॉर का डर, बाइडन ने दिया मिसाइल रेडी रखने का आदेश

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। रूस,चीन और नार्थ कोरिया से अमेरिका डरा हुआ है। उसे लग रहा है कि ये तीन देशों की तिगड़ी कहीं अमेरिका पर बमों की बरिश न कर दे। यही वजह है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने परमाणु मिसाइल रेडी रखने का आदेश दिया है। इस बाबत अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मार्च महीने में ही एक बेहद गोपनीय परमाणु रणनीति योजना को मंजूरी दी थी। इसे न्यूक्लियर एम्प्लॉयमेंट गाइडेंस के नाम से जाना जाता है। रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। हालांकि, इस रिपोर्ट पर चीन ने अमेरिका को कोसा है। चीन का कहना है कि अमेरिका बार-बार चीन से परमाणु खतरे का राग अलाप रहा है, मगर हकीकत तो यह है कि दुनिया के लिए सबसे बड़ा परमाणु खतरा तो वह खुद है।

अमेरिकी की परमाणु रणनीति योजना के तहत पहली बार अमेरिका ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। माना जा रहा है कि चीन के बढ़ते परमाणु हथियारों के जखीरों से पैदा होने वाले संभावित खतरे को देखते हुए अमेरिका ने यह फैसला लिया है। अमेरिका का मानना है कि अगले एक दशक में चीन का परमाणु जखीरा अमेरिका को टक्कर देगा। अमेरिकी राष्टपति जो बाइडन ने साफ-साफ कहा है कि अमेरिका को केवल चीन, रूस और नॉर्थ कोरिया से ही न्यूक्लियर जंग का खतरा है। उसमें भी अमेरिका की सबसे बड़ी चिंता चीन है। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अब अमेरिका और चीन में तू-तू, मैं-मैं होने लगी है। चीन को परमाणु खतरा बताए जाने पर बीजिंग ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चीनी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका खुद दुनियाभर में परमाणु खतरे का प्राइमरी सोर्स है। चीनी सरकार के मुखपत्र ने लिखा, 'अमेरिका भले ही चीन के परमाणु खतरे का रोना रो रहा है, मगर हकीकत तो यह है कि वह खुद अपना परमाणु जखीरा बढ़ा रहा है। अमेरिका अपने परमाणु जखीरे को बनाए रखने के लिए बार-बार बहाने के रूप में चीन का नाम लेता रहता है। अमेरिका चाहता है कि वह दुनियाभर में सबसे ताकतवर रहे, ताकि वह बिना किसी डर और अपनी मर्जी से दुनिया भर के देशों को धमका सके और उस पर प्रेशर बनाकर रखे। अमेरिका यह सब अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए कर रहा है।

अब डोनाल्ड ट्रंप बनाम कमला हैरिस जंग आधिकारिक तौर पर कन्फर्म

शिकागो (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति में अब डोनाल्ड ट्रंप बनाम कमला हैरिस जंग आधिकारिक तौर पर कन्फर्म हो गया। डोनाल्ड ट्रंप के सामने डेमोक्रेट्स की ओर से कमला हैरिस ही ताल ठोकेंगी। डेमोक्रेट्स नेशनल कन्वेंशन में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने डेमोक्रेट्स की उम्मीदवारी को स्वीकार कर लिया। कमला हैरिस रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन का सहयोग करने की प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि यदि वह राष्ट्रपति चुनी जाती हैं तो वह यूक्रेन और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के अपने सहयोगियों के साथ मजबूती से खड़ी रहेंगी। बता दें कि हैरिस की मां श्यामला गोपालन भारतीय थीं और उनके पिता डोनाल्ड जैस्पर हैरिस जमैका के नागरिक थे। अगर हैरिस निर्वाचित होती हैं, तो वह अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति होंगी। भारतीय-अफ्रीकी मूल की कमला हैरिस ने शिकागो में गुरुवार की रात 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' के दौरान उम्मीदवारी स्वीकार की और इसी के साथ वह राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनने वाली डेमोक्रेटिक पार्टी की दूसरी महिला नेता बन गईं। उन्होंने कहा, 'लोगों की ओर से, प्रत्येक अमेरिकी की ओर से, चाहे वह किसी भी पार्टी, जाति, या भाषा से संबंध रखता हो, मेरी मां की ओर से और उन सभी लोगों की ओर से जिन्होंने ऐसे अमेरिकियों की ओर से अपनी असंभव यात्रा शुरू की, जिनके साथ मैं बड़ी हुई, जो कड़ी मेहनत करते हैं, अपने सपनों का पीछा करते हैं और एक-दूसरे का ख्याल रखते हैं, उन सभी की ओर से जिनकी कहानी पृथ्वी के सबसे महान राष्ट्र में ही लिखी जा सकती है, मैं उम्मीदवारी स्वीकार करती हूं।' शिकागो के 'यूनाइटेड सेंटर' में उम्मीदवारी स्वीकार करने के लिए मंच पर आईं कमला हैरिस (59) ने कहा कि उनके लिए असंभव यात्राएं कोई नयी बात नहीं हैं। कमला हैरिस ने कहा कि उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप धीर-गंभीर व्यक्ति नहीं हैं और उन्हें फिर से राष्ट्रपति बनाने के परिणाम बेहद गंभीर होंगे।इस दौरान उन्होंने सभी अमेरिकियों की राष्ट्रपति बनने की कसम खाई। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर तंज कसा और कहा कि वह सीरियस आदमी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वह एक ऐसी राष्ट्रपति बनेंगी, जो देश के लोगों को एकजुट करेंगी। उन्होंने कहा कि आगामी राष्ट्रपति चुनाव एक नया रास्ता बनाने का मौका है। यह किसी एक पार्टी या गुट के सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि अमेरिकियों के रूप में आगे बढ़ने का मौका है।

पाकिस्तान की फिर किरकिरी, जर्मनी की मंत्री ने पीएम से मिलने से किया इनकार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के घर पर गुरुवार को अफरा-तफरी का माहौल दिखा। पाकिस्तान और जर्मनी के बीच एक राजनयिक तनाव पैदा होते-होत बच गया। दरअसल पीएम शहबाज अपने आधिकारिक घर पर जर्मनी की संघीय आर्थिक सहयोग और विकास मंत्री स्वेनजा शुल्जे से मिलने वाले थे। जब मंत्री शुल्जे पाकिस्तानी पीएम शहबाज के घर में जाने वाली थीं, तभी उन्हें सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों ने रोक लिया और उनसे उनका बैग वहीं छोड़ने को कहा गया ताकि वह उसे चेक कर सकें।

इस घटना का एक पत्रकार ने वीडियो बना लिया। जर्मनी की मंत्री ने इसका विरोध किया और किसी भी तरह की जांच से इनकार कर दिया। वीडियो में पाकिस्तानी अधिकारी को यह कहते हुए सुना गया कि यह प्रोटोकॉल है। जर्मनी की मंत्री इसे लेकर नाराज हो गईं और उन्होंने पाकिस्तान में जर्मन राजदूत अल्फ्रेड ग्रैनस के साथ इस मामले पर चर्चा की। फिर दोनों वहां से वापस लौटने लगे, जो दिखाता है कि जर्मनी की मंत्री शुल्जे को पीएम शहबाज से मिलने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखी।

जर्मनी के राजदूत वहां से थैंक्यू वेरी मच बाय-बाय कहकर जाने लगे। जर्मनी की मंत्री के चेहरे पर हैरानी साफ नजर आ रही थी। इसे देख पाकिस्तानी अधिकारी भी परेशान हो गए। अधिकारियों ने नरम रुख अपनाया और मंत्री को उनके बैग के साथ पीएम आवास में जाने दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैठक से पहले पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ विस्तृत बातचीत हुई थी। शुल्जे बैठक में अपने साथ एक फोटोग्राफर ले जाना चाहती थीं, लेकिन पाकिस्तानी ने इससे इनकार कर दिया था लेकिन जब पाकिस्तानी अधिकारियों ने मंत्री को अपना बैग रखने को कहा तो उन्होंने सभी रेड लाइन पार की।

पाकिस्तान की इस हरकत से एक राजनयिक संकट पैदा हो गया था लेकिन बाद में सबकुछ योजना के मुताबिक ही हुआ। पीएम शहबाज शरीफ ने करीब पूरी कैबिनेट की मौजूदगी में शुल्जे का डिनर पर इस्तकबाल किया। इस दौरान शुल्जे बैग अपने साथ ही ली हुई थीं। उल्लेखनीय है कि जर्मनी पाकिस्तान की नकदी की कमी से जूझ रही अर्थव्यवस्था के लिए अहम है, क्योंकि यह एक प्रमुख निर्यात गंतव्य है। पाकिस्तान मुख्य रूस से जर्मनी को कपड़ा, चमड़े का सामान, खेल और चिकित्सा उपकरण निर्यात करता है।

यूक्रेन के हमले के बाद रुसी सेना बौखलाई, यूक्रेन में घुसी, लोग छोड़ रहे घर

मॉस्को। रूस पर दो सप्ताह पहले यूक्रेन ने हमला किया था। यूक्रेन ने रूस के अंदर बड़े इलाकों पर कब्जा कर लिया था लेकिन यूक्रेन का यह हमला अब उसके लिए मुसीबत बन गया है। यूक्रेन के हमले से भड़के पुतिन ने अपनी सेना को यूक्रेनी इलाकों पर कब्जा करने का आदेश दिया है। अब रूसी सेना तेजी से यूक्रेन में दाखिल हो रही है, जिसे लेकर चेतावनी दी गई है। यूक्रेन के पूर्वी शहर पोक्रोव्स्क को अधिकारी खाली करने की चेतावनी दे रहे हैं। कई लोग वहां से नहीं जाना चाहते। कुछ माता-पिता तो अपने बच्चों को अधिकारियों से छिपा रहे हैं। पोक्रोव्स्क और उसके आस-पास के क्षेत्रों को खाली करने की अपील की जा रही है। दो सप्ताह पहले यूक्रेन की सेना ने रूस के इलाकों में घुसपैठ की। इस घुसपैठ में यूक्रेन ने सैकड़ों वर्ग किमी शहर पर कब्जा कर लिया था। यह हमला इतना सीक्रेट था कि रूस भी हैरान रह गया। रूस ने कहा कि उसने ब्रांस्क के सीमावर्ती इलाके में घुसपैठ करने के एक और यूक्रेनी प्रयास को विफल कर दिया है, यूक्रेन लगातार कुर्स्क क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। यूक्रेन में फ्रंटलाइन से 4.8 किमी दूरी पर मौजूद मायर्नोह्राड शहर में सैन्य प्रशासन के प्रमुख यूरी त्रेतियाक ने चेतावनी देते हुए कहा कि रुको मत, हालात बेहतर नहीं होने वाले यह सिर्फ बदतर होगा। निकल जाओ। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग अभी भी अपना इलाका और घर नहीं छोड़ना चाहते। यहां तक कि वह अपने बच्चों को छिपा रहे हैं।

शेख हसीना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द, उनके पूर्व मंत्री और सांसदों पर भी लटकी तलवार

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रहीं हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हसीना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द कर दिया। शेख हसीना के पासपोर्ट को रद्द करने का कदम अन्य पूर्व नेताओं को संकट में डाल दिया है। यह फैसला उसी दिन लिया गया, जब संयुक्त राष्ट्र की एक टीम यह आकलन करने ढाका पहुंची कि देश में मानवाधिकार का उल्लंघन हो रहा है या नहीं। गृह मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि शेख हसीना का पासपोर्ट, पूर्व सरकार के मंत्रियों और पूर्व सांसदों के पासपोर्ट को रद्द करना होगा। अंतरिम सरकार का यह फैसला भारत के लिए एक कूटनीतिक दुविधा पैदा करता है। बता दें कि पीएम पद से इस्तीफा देने के बाद शेख हसीना बांग्लादेश से भागकर भारत आ गई थी। जहां एक तरफ भारत सरकार शेख हसीना की मेजबाजी कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ पीएम मोदी ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को भी अपना समर्थन देने की पेशकश की है। बता दें कि, इस महीने की शुरुआत में छात्र हिंसा के शुरू होने के बाद शेख हसीना पीएम पद से इस्तीफा देकर भाग गई थी।

इससे पहले शेख हसीना की सरकार पर बड़े पैमाने पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया गया था। संयुक्त राष्ट्र अधिकार कार्यालय ने पिछले सप्ताह एक प्रारंभिक रिपोर्ट में बताया था कि इस मामले में स्वतंत्र जांच की आवश्यकता है कि सुरक्षा बलों ने अनावश्यक बल का इस्तेमाल किया था। मोहम्मद यूनुस से संयुक्त राष्ट्र को आश्वासन दिया कि वे जांच में हरसंभव मदद करेंगे। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री, उनके सलाहकार, पूर्व कैबिनेट मंत्री और भंग राष्ट्रीय असेंबली के सभी सदस्य अपने पदों के आधार पर राजनयिक पासपोर्ट के पात्र थे। अगर उन्हें पदों से हटाया गया हो या वे सेवानिवृत्त हो गए हैं तो उनके और उनके जीवनसाथी के पासपोर्ट रद्द करने होंगे। ढाका के नए अधिकारियों ने कहा कि शेख हसीना और उनके कार्यकाल के पूर्व शीर्ष अधिकारी स्टैंडर्ड पासपोर्ट के लिए आवेदन कर सकते थे। बता दें कि बांग्लादेश की हिंसा में 450 से अधिक लोग मारे गए।

संपादकीय

जरूरी भूमि सर्वे

बिहार में शुरू हुआ भूमि सर्वेक्षण कार्य प्रशंसनीय और स्वागतयोग्य है। देश के ज्यादातर राज्यों में भूमि सुधार का कार्य पूरा हो चुका है, पर बिहार में दशकों से इसका इंतजार रहा है। वैसे राज्य के 20 जिलों के 89 अंचलों में सर्वेक्षण पहले से चल रहा था, जो अब लगभग पूरा होने को है और बचे हुए 445 अंचलों में सर्वे अब शुरू हुआ है। गौर करने की बात है कि अमीन, कानून गो और सहायक बंदोबस्त पदाधिकारियों की कमी की वजह से इन अंचलों में सर्वेक्षण का काम रुका हुआ था। इन पदों पर संविदाकर्मियों की बहाली हुई है, जिन्हें प्रशिक्षण के बाद भूमि सर्वेक्षण कार्य में तैनात कर दिया गया है। वैसे तो बिहार में काफी हद तक भूमि विवरण का डिजिटलीकरण हो चुका है और काफी कुछ ऑनलाइन उपलब्ध है, मगर जब संपूर्ण भूमि सर्वे संपन्न हो जाएगा, तब एक-एक भूखंड के बारे में जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध हो जाएगी। जमाबंदियों में सुधार की प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार साल 2025 में राज्य विधानसभा चुनाव से पहले ही सर्वे को पूरा करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने आदेश के साथ ही अधिकारियों से एक तरह से हाथ जोड़कर आग्रह भी किया है कि भूमि सर्वेक्षण में तेजी लाई जाए। वास्तव में, बिहार में भूमि सर्वेक्षण के काम को कभी गंभीरता से नहीं लिया गया। भूमि संबंधी रिकॉर्ड लोगों के भरोसे ही चल रहे हैं। गांवों में जाकर रिकॉर्ड सुधारने का काम पहले ही हो जाना चाहिए था, पर इच्छाशक्ति की कमी के साथ ही, कर्मचारियों की कमी भी एक बड़ा बहाना बनती आ रही थी। सर्वे को उसके अंजाम तक पहुंचाने के लिए अब करीब 9,888 लोगों को नियुक्ति दी गई है। हालांकि, सावधान रहना होगा कि सर्वे का काम अनुभवी लोगों के नेतृत्व में ही संपन्न हो। बड़े अधिकारियों के साथ ही छोटे कर्मचारियों को भी पूरी ईमानदारी से इस काम को अंजाम देना चाहिए। सर्वे समाधान के लिए है, इसे समस्या बढ़ाने वाला काम नहीं बनाना चाहिए। यह सर्वेक्षण बिहार राज्य की एक बड़ी सेवा है। बिहार में 60 प्रतिशत अपराध भूमि संबंधी विवाद की वजह से होते हैं। आए दिन हत्या-हिंसा की घटनाएं होती हैं। अब जब भूमि संबंधी कागजात दुरुस्त कर दिए जाएंगे, तब धांधली या गलत दावेदारी की आशंका भी घटेगी। अफसोस, विगत दशकों में गांव-गांव में भूमि की खरीद-फरोख्त के ऐसे दलाल पैदा हो गए हैं, जिन्हें सिर्फ दलाली खाने से मतलब है, सही-गलत से नहीं। दलाली के लालच में वे फर्जी कागजों का अंबार लगा सकते हैं। ऐसे मामले बहुत हैं, जब दलालों ने फर्जीवाड़े से सौदा करवा दिया, दलाली वसूल ली और अब खरीदने-बेचने वाले अदालतों में चप्पलें घिस रहे हैं। हमें यह भी देखना होगा कि भूमि संबंधी विभाग के अनेक अधिकारी-कर्मचारी दूध के धुले नहीं हैं। बेशक, भूमि संबंधी कागजात के पुख्ता हो जाने पर विवादों में कमी आएगी, लेकिन यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सर्वे का काम पूरी ईमानदारी से हो। सरकार को ध्यान रखना होगा कि सर्वे के कार्य में भू-दलालों की किसी भी प्रकार की भूमिका न हो। किसी परिवार या व्यक्ति की जमीन किसी गलत व्यक्ति के नाम से न चढ़ जाए। सर्वे कर्मियों के पास अनेक स्रोतों से सूचनाएं आएंगी, लेकिन उन्हें जांच-परखकर ही तथ्य दर्ज करना है, तभी यह सर्वे बिहार जैसे राज्य में समाधान और विकास की वजह बनेगा।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक

(लेखक - ललित गर्ग)

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी एवं खैफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। कई घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। यह दुष्प्रवृत्ति बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर तो नकारात्मक प्रभाव डाल ही रही है, इसे भविष्य में समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा भी मानना चाहिए। राजस्थान के उदयपुर के स्कूल में दो छात्रों के आपसी विवाद में चाकू मारने से एक छात्र की मौत भी बच्चों में पनप रहे इसी हिंसक बर्ताव का घिनौना एवं घातक रूप है।

बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है! पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मन:स्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर गंभीर काम किया जाए। उदयपुर की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। तहकीकात स्कूल की व्यवस्थाओं की भी होनी चाहिए कि आखिर बच्चा स्कूल में हथियार लेकर कैसे आ गया? इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। उम्र के इस पड़ाव पर उनको सही राह दिखाने की जिमेदारी परिजन और शिक्षक की ही होती है। आज दोनों ही कहीं न कहीं अपनी जिमेदारी से दूर होते नजर आ रहे हैं। स्कूल में केवल किताबी ज्ञान पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। वहीं अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वछन्द हो जाते हैं। 'मूड ठीक नहीं' की स्थिति में घटना सिर्फ घटना होती है, वह न सुख देती है और न दु:ख। ऐसी स्थिति में बच्चे अपनी अनंत शक्तियों को बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं। शिक्षकों और परिजनों से संवादहीनता के चलते बच्चों ने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया को संवाद का जरिया बना लिया है। कई बार टी.वी. पर हिंसक कार्यक्रम देखने आदि से बच्चों में हिंसक व्यवहार बढ़ जाता है। घर में लगातार बंदूकें, चाकू आदि देखते रहने से भी बच्चों का व्यवहार हिंसक हो जाता है। वैसे भी अगर बच्चों को किसी भी बात के लिए मना नहीं करेंगें, टोकेंगें नहीं तो उन्हें अच्छे-बुरे की पहचान कैसे होगी। एक ऑनलाइन सर्वे में माता-पिता ने कहा था कि बच्चों को गलत काम की सजा भी मिलनी चाहिए, वरना उनके मन में किसी भी बात के लिए डर नहीं रहेगा और हो सकता है वे ऐसे अपराधों को भी अंजाम देने लगें, जिनके परिणामों के बारे में उन्हें पता नहीं। स्कूली बच्चों में पिछले कुछ समय से हिंसक प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जो समाज के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है। मनोविज्ञानी यह मानते हैं कि मोबाइल पर पबजी जैसे खतरनाक गेम और वेब सीरिज बच्चों को हिंसक बना रही है। लेकिन, इसके पीछे न सिर्फ स्कूल का वातावरण, बल्कि लाड-प्यार में अंधे अभिभावकों का रवैया भी कम जिम्मेदार नहीं है। बच्चों में हिंसक व्यवहार के संकेत, जैसे गलत भाषा का प्रयोग करना, समझाने पर भी गुस्सा करना, कोई भी बात समझाने पर चीजें फेंकने लगना, मां-बाप को ही मारने दौडना, लोगों के बारे में गलत बोलना, गलत आदतों में पडना, भाई-बहन के लिए स्नेह न रखना, लड़ाकू प्रवृत्ति का होना, हमेशा उदास रहना, संवेदनहीन और चिड़चिड़े रहना, बार-बार जोश में आना आपको नजर आ सकते हैं। एकल परिवारों में माता-पिता इतने व्यस्त होते हैं कि उनके पास बच्चों से बात करने का ज्यादा समय नहीं होता। वे अक्सर इस बात पर भी नजर नहीं रख पाते कि बच्चे क्या कर रहे हैं, क्या खेल रहे हैं, उनके दोस्त कौन-कौन से हैं। दोस्त उन्हें चिढ़ाते भी हैं कि अरे! तुम्हारे माता-पिता कैसे हैं, जो तुम्हें ऑनलाइन खेल भी नहीं खेलने देते। इससे बच्चों में हीनता और अपने घर वालों के प्रति नफरत का भाव पैदा होता है, जो

अपराध के रूप में बाहर निकलता है। फिजिकल, ओरल या सैक्सुअल रूप में गलत व्यवहार, घरेलू वातावरण न मिलना, माता-पिता द्वारा बच्चों की अनदेखी, दर्दनाक घटना होने या फिर स्ट्रैस होना, बच्चों को धमकाना, फैमिली प्रॉब्लम, नशीली चीजों का सेवन, शराब और अन्य गलत चीजों के सेवन से बच्चों में आक्रामकता बढ़ सकती है और वे हिंसक हो सकते हैं। ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। घर में बच्चों के लिए स्वस्थ, सुरक्षित, और प्रेमपूर्ण वातावरण बनाने के साथ अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। स्कूलों में काउंसलर और मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता की व्यवस्था होनी चाहिए, जो बच्चों की मानसिक समस्याओं को समझें और उनका समाधान कर सकें। सबसे बड़ी बात यह कि शिक्षकों को बच्चों के आचरण और उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए प्रशिक्षण देना होगा। ऐसा करने पर वे बच्चों के चाल-चलन की बारीकी से निगरानी कर सकेंगे। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी इतनी सहम गयी है कि गलत धारणाओं को मिटाने के लिये इस तरह की विकृत सोच एवं तथाकथित विकास से जुड़े शत्रु को पीठ के पीछे नहीं, सामने रखना होगा। सोचना होगा कि खुशहाली का पैमाना सिर्फ आर्थिक सम्पन्नता, शक्ति एवं सत्ता नहीं हो सकता। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी से रंजिश के चलते उस पर गोली चलाते देखे गये हैं।

(लेखक,पत्रकार, स्तंभकार)

महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा, सरकार और समाज

(लेखक - कुमार कृष्णन)

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर की बलात्कार की घटना के बाद हत्या के बाद से देशभर के डॉक्टर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। डॉक्टरों की हड़ताल के कारण मुश्किल में मरीज हैं और बिना इलाज के अस्पतालों से लौट रहे हैं। डॉक्टर कार्य स्थल पर अपनी सुरक्षा को लेकर केंद्रीय संरक्षण अधिनियम की मांग कर रहे हैं। इस बिल को 2022 में लोकसभा में पेश किया गया था। इस बिल का मकसद डॉक्टर्स के साथ हिंसा को परिभाषित करना और ऐसा करने वाले शख्स के लिए दंड देने का प्रावधान करना है। इधर सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता में डॉक्टर से दरिंदगी को भयावह घटना करार देते हुए देश भर में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के संबंध में संस्थागत विफलता पर चिंता जताई है। शीर्ष अदालत ने कहा दूसरों की स्वास्थ्य देखभाल मुहैया कराने वालों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जमीनी बदलाव के लिए देश एक और दुष्कर्म या हत्या का इंतजार नहीं कर सकता।

कोर्ट ने देश भर के डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का तंत्र स्थापित करने के लिए 14 सदस्यीय नेशनल टास्क फोर्स गठित की है। कोर्ट ने डॉक्टरों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए समाज और मरीजों के हित में काम पर लौटने की अपील भी की। इसके साथ ही कोर्ट ने डॉक्टर से दरिंदगी के मामले में एफआईआर दर्ज करने में देरी पर सवाल उठाते हुए पश्चिम बंगाल सरकार को कड़ी फटकार लगाई।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज की पीड़िता की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई हैं, जो बेहद चिंताजनक है। कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी को मानते हुए कहा कि दुष्कर्म पीड़ित के नाम को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता।

भारत में महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा एक बड़ी समस्या है। 1.4 अरब की आबादी वाले देश में 2022 में औसतन प्रतिदिन लगभग 90 बलात्कार की घटनाएं दर्ज की गईं। भारत में 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,45,256 मामले दर्ज किये गये। एनसीआरबी के ताजा आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पहले 2021 में 4,28,278 जबकि 2020 में 3,71,503 प्राथमिकी दर्ज की गई थीं।केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के सिलसिले में हर घंटे लगभग 51 प्राथमिकी दर्ज की गईं।

आंकड़ों के अनुसार प्रति एक लाख आबादी में महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर 66.4 प्रतिशत रही जबकि ऐसे मामलों में आरोप पत्र दायर करने की दर 75.8 रही। एनसीआरबी ने कहा कि भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं के खिलाफ अधिकांश (31.4 प्रतिशत) अपराध पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता किए जाने के थे, इसके बाद महिलाओं के अपहरण (19.2 प्रतिशत), शील भंग करने के इरादे से महिलाओं पर हमला (18.7 प्रतिशत) और बलात्कार (7.1 प्रतिशत) के मामले रहे। आंकड़ों में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में सबसे अधिक 65,743 प्राथमिकी दर्ज की गईं, इसके बाद महाराष्ट्र (45,331), राजस्थान (45,058), पश्चिम बंगाल (34,738) और मध्य प्रदेश (32,765) रहे। एनसीआरबी के अनुसार पिछले साल देश में जितने मामले सामने आए उनमें से 2,23,635 (50 प्रतिशत) इन पांच राज्यों में दर्ज किए गए।

गृह मंत्रालय ने देश में महिलाओं की सुरक्षा के नियमों को शक्तिशाली करने के लिए 28 मई, 2018 को एक नया卐महिला सुरक्षा प्रभाग卐 स्थापित किया है। और समग्र रूप से न्याय के तीव्र और प्रभावी प्रशासन के माध्यम से और महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करके उनमें सुरक्षा की अधिक भावना उत्पन्न करना। नया प्रभाग इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों की सहायता के लिए नीति निर्माण योजना समन्वय निर्माण और परियोजनाओं / योजनाओं को लागू करने के साथ.साथ जेल सुधार मानव तस्करी विरोधी और संबंधित विषयों के लिए जिम्मेदार है। इसमें अन्य बातों के साथ साथ आपराधिक न्याय प्रणाली में आईटी और टैकनोलॉजी का बढ़ा हुआ उपयोग और फोरेंसिक विज्ञान और अपराध और आपराधिक रिकॉर्ड के लिए एक सहायक ईको सिस्टम को सक्षम करना शामिल है।

9 अगस्त को घटी इस घटना से 16 दिसंबर 2012 के निर्भया प्रकरण की भयावह याद लोगों को आ रही है।2012 के बाद सीधे 2024 में ऐसी घटना घटित हुई हो, बल्कि इस बीच इस तरह के अपराध की एक लंबी फेरिस्त बन गई, जिसे सियासत ने टूटने ही नहीं दिया। यह सोचकर ही वितृष्णा से भर जाता है। यह सोचने को मजबूर कर देता है कि हम कितने गिरे हुए समाज में तब्दील हो चुके हैं, जिसमें एक स्त्री पर हुए भयानकतम अत्याचार को सत्ता हासिल करने का माध्यम बनाने में कोई संकोच नहीं होता। क्योंकि तब जिन लोगों से उम्मीद थी कि वे राजधर्म और नैतिकता के धर्म का पालन करके एक स्त्री का साथ देंगे, उन लोगों ने आंखें मूंद ली थीं और अब भी वही रवैया नजर आ रहा है। इसी तरह की घटना बिहार के मुजफ्फरपुर के पारू थाना की है। जहां एक दलित को, एक नाबालिग को शिकार बनाया गया। पारु थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव में दलित युवती की हत्या मामले में नए-नए करनामें सामने आ रहे हैं।

फिलहाल सबका ध्यान प.बंगाल पर केन्द्रित है। वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग से लेकर राज्य में राष्ट्रपति शासन तक लगाने की मांग हो चुकी है। ममता बनर्जी को महिला होने का वास्ता भी दिया जा रहा है। उनके साथ टीएमसी की मुखर सांसद महुआ मोईत्रा पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा कांग्रेस पर उंगलियां उठाई जा रही हैं और भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा बड़े हक से पूछ रहे हैं कि राहुल और प्रियंका गांधी कोलकाता कब जाएंगे। कायदे से इस समय दो ही लोगों से जवाब मांगे जा सकते हैं, एक हैं ममता बनर्जी और दूसरे हैं नरेन्द्र मोदी। ममता बनर्जी मुख्यमंत्री हैं, तो उन्हें अपने राज्य के लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी, मगर इसमें जो लोग महिला वाला कोण सामने कर रहे हैं, वह संकीर्ण मानसिकता को ही दिखाता है। राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ही हैं और प्रियंका गांधी तो कांग्रेस की एक सामान्य पदाधिकारी से अधिक कुछ नहीं हैं। प.बंगाल में कांग्रेस की सत्ता भी नहीं है, न ही केंद्र में कांग्रेस का शासन है, इसलिए इस मामले में कांग्रेस से सवाल किया जाना, राजनीति के अलावा और कुछ नहीं है। एक महिला के साथ होने वाले अपराध के दर्द को एक महिला ही क्यों समझे, एक पुरुष क्यों न समझे, यह सवाल समाज को करना चाहिए। इस मामले में महुआ मोईत्रा पर उंगलियां उठाने का भी कोई मतलब नहीं है, क्योंकि वे एक सांसद ही हैं, न कि प.बंगाल सरकार का हिस्सा। और अगर उनसे जवाब मांगे जा रहे हैं, तो फिर यही बर्ताव सारे सांसदों के साथ किया जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले के प्राचीर से अपने भाषण में महिला अपराधों को रोकने और अपराधियों को दंडित करने की बात जरूर कही, लेकिन उनका रवैया भी अब तक चयनित ही रहा है। अगर पश्चिम बंगाल में पहले संदेशखाली और अब कोलकाता बलात्कार कांड पर वे सख्त फैसलों के पक्ष में खड़े दिखते हैं, तो उन्हें मणिपुर, हाथरस, कठुआ, उन्नाव और उत्तराखंड में अंकिता भंडारी जैसे मामलों पर भी यही रुख अपनाना चाहिए था।

विचार मंथन

कानून बनाने मात्र से नहीं रुकेंगे अपराध

(लेखक - सनत जैन)

न्यायपालिका की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण

कोलकाता के आरजी मेडिकल कॉलेज की एक रेजिडेंट डॉक्टर की रेप के बाद अमानुषिक तरीके से हत्या कर दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने यह मामला संज्ञान में लिया। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में देवी स्वरूपा तीन से चार वर्ष की कन्याओं के साथ यौन उत्पीड़न की घटना हुई। कई दिनों तक जब कार्रवाई नहीं हुई तो लोग सड़कों पर उतरे। रेलवे ट्रैक बंद कर दिया। तब जाकर मुंबई हाईकोर्ट ने इस मामले में संज्ञान लिया। दोनों ही घटनाओं में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने चिंता जताकर कोर्ट के अंदर बयान देकर, एक तरह से पल्ला झाड़ने का काम किया है। मणिपुर की घटनाओं पर भी सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया था। कमेटी भी गठित कर दी थी। लेकिन अभी भी मणिपुर में क्या हो रहा है। इसे आसानी से देखा और समझा जा सकता है। इतने कड़े कानून होने के बाद भी देश के सभी राज्यों में 90 से ज्यादा बलात्कार की घटनाएं रोजाना हो रही हैं। बिहार के मुजफ्फरनगर में एक दलित युवती के गुप्तांग में 50 से ज्यादा चाकू से वार किए गए। वह गरीब दलित युवति थी उसके समर्थन में लोग सड़कों पर नहीं उतरे। जिसके कारण यह घटना फाइलों में दबकर रह गई। अपराधिक घटनाओं को रोकने एवं अपराध होने के बाद पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। जब भी कोई अपराधिक घटना होती है। शासन और प्रशासन द्वारा पुलिस के जांच अधिकारी पर जिस तरह का दबाव बनाया जाता है। वह किसी से छिपा हुआ नहीं है। विशेष रूप से न्यायपालिका से कोई भी बात छुपी हुई नहीं है। जब अपराध होता है, उस समय थाना इंचार्ज को तुरंत रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने का अधिकार और दा यित्व है। पिछले कई दशकों में यह सिस्टम अघोषित रूप से बदल गया है। जब भी कोई अपराध थाना क्षेत्र में होता है। इसकी सूचना थाना प्रभारी द्वारा अपराध दर्ज करने के पहले वरिष्ठ अधिकारियों को दी जाती है। कोई संवेदनशील घटना होती है, तो उस घटना की जानकारी पुलिस अधीक्षक, कलेक्टर, विधायक, सांसद और मुख्यमंत्री तक पहुंचती है। उसके बाद थाना प्रभारी को मुकदमा दर्ज करने के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों से मिलते हैं। रिपोर्ट दर्ज करना है या नहीं, पहले जांच करो,फिर रिपोर्ट दर्ज करना, कौन सी धाराओं में मुकदमा दर्ज करना है। अपराधी को बचाना है,या आरोपी को शिकंजे में कसना है। इसका निर्देश थाना प्रभारी को वरिष्ठ अधिकारियों के माध्यम से मिलता है। इस कारण रिपोर्ट दर्ज करने में कई घंटों की देर होती है। कार्यवाही में भी विलम्ब होता है। इस बीच अपराध से संबंधित सबूतों से छेड़छाड़ होती है। अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग राजनेताओं की अनुशंसा पर होते हैं। राजनीति में जिस तरह से अपराधिक प्रवृत्ति वाले राजनेताओं का हस्तक्षेप बढ़ा है। उसके बाद किसी भी अपराध की सही जांच और सही कार्रवाई नहीं हो रही है। रिपोर्ट दर्ज करने, जांच करने और मुकदमा पेश करने का अधिकार और जिम्मेदारी कानून की किताबों में थाना प्रभारी की है। वास्तविक स्थिति ठीक इसके विपरीत है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में अपराधिक मामले पेश होते हैं। जो मामले पेश होते हैं उसमें सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट के आदेशों का पालन जांच अधिकारियों द्वारा नहीं किया जाता है। झूठे मुकदमे बनाए जाते हैं। उसके बाद भी न्यायपालिका की चुप्पी से अपराधिक घटनाएं रुकने के स्थान पर बढ़ती जा रही हैं। दिल्ली में हुए निर्भया कांड के बाद कई कड़े कानून बनाए गए। जल्द न्याय देने के लिए विशेष न्यायालयों की स्थापना की गई। यह सब कागजों में है। इनका पालन पुलिस, जांच अधिकारी,शासन-प्रशासन एवं न्यायालयों द्वारा नहीं किया जा रहा है। न्यायालय में केस डायरी और चार्ज सीट में जानकारी उपलब्ध होती है। उसके बाद भी न्यायालय सही जांच और सही कार्यवाही नहीं करने पर चुप रहती है। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी विनेश फोगाट ने यौन उत्पीड़न के मामले की पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पाक्सो एक्ट में मामला दर्ज हुआ। रिपोर्ट दर्ज होने के तुरंत बाद दिल्ली पुलिस को नियमानुसार आरोपी को गिरफ्तार करना चाहिए था। दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट का आदेश होने के बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की। महिला खिलाड़ियों ने दिल्ली के जंतर मंतर में कई दिनों तक प्रदर्शन किया। दिल्ली पुलिस ने उनके साथ किस तरह का व्यवहार किया। यह सारे देश ने देखा। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज भी इस तमाशे को देखते रहे। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट इस तरह के मामलों में टिप्पणी करके अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। ऐसी स्थिति में किस तरह से आम नागरिकों को न्याय मिलेगा। न्यायपालिका की स्थिति हाथी के दांत की तरह हो गई है।

सरसों में रोग अनेक उपाय एक

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है:-

सरसों

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है:-

सफेद रोली

यह रोग एल्बूगो कैन्डिडा कवक द्वारा उत्पन्न होता है। जड़ को छोड़कर पौधों के सभी भागों पर रोग के लक्षण दिखाई देते हैं। रोग का प्रभाव पौधे पर दो प्रकार से होता है:

1. स्थानीय 2. सर्वांगी

स्थानीय संक्रमण में पतियों और तनों पर फफोले बनते हैं। यह फफोले कुछ उभरे हुए, चमकीले सफेद, अनियमित गोलाकार होते हैं। अधिक पास-पास होने पर यह फफोले मिलकर बड़े धब्बों का रूपधारण कर लेते हैं। फफोले बड़े होने पर बाहरी त्वचा फट जाती है तथा अंदर से कवक के बीजाणुओं का समूह पाउडर के रूप में निकलता है। तरूण तनों तथा पुष्पक्रम पर इस रोग का सर्वांगी असर होता है। उतकों की अतिवृद्धि होने से पुष्प अंग फूल जाते हैं। इन सभी अतिवृद्धि अंगों में फफूंद के स्पोर भरे रहते हैं। फलियों के स्थान पर गुच्छे दिखते हैं।

आल्टरनेरिया पर्ण दाग और अंगमारी

यह रोग आल्टरनेरिया ब्रैसिकी और आल्टर ब्रैसिसिकोला कवक से होता है। सर्वप्रथम यह बीमारी बीज पत्रीय पर्णों पर छोटे-छोटे हल्के भूरे रंग के चकत्तों के रूप में दिखाई देते हैं जो कि बाद में काला रूप धारण कर लेते हैं। पतियों पर संक्रमण भूरे या गहरे भूरे रंग के दागों से आरंभ होता है और बढ़कर शीघ्र ही यह तनों और फलियों में फैल जाता है। आर्द्र मौसम में दाग मिलकर पतियों को झुलसा देते हैं। जिससे पतियां झड़ने लगती हैं। फलियों पर दाग आगे बीज का संक्रमण करते हैं। बीमारी वाले बीज छोटे आकार के व सिकड़े हुए स्केटी या भद्दा रंग धारण कर लेते हैं। जिन वर्षों में पौधे या तो पहले नष्ट हो जाते है या फलियां बनने या पकने के पहले पूर्ण रूप से खत्म हो जाती है।

छाछिया रोग (पाउडरी मिल्ड्यू):

यह रोग ऐरीसाइफी क्रुसीफेरेरम कवक द्वारा होता है। संक्रमित पौधों में प्रायः जमीन के सम्पूर्ण हिस्सों पर यह रोग देखा जा सकता है। प्रारंभ में यह रोग पौधों के तनों पतियों एवं फलियों पर श्वेत, गोल चूर्णित धब्बों के रूप में दिखाई पड़ता है। तापमान की वृद्धि के साथ-साथ ये धब्बे आकार में बड़े हो जाते हैं और समस्त पौधों को ढ़क लेते है। ऐसे पौधों की बढ़वार बहुत कम होती है और फलियां भी कम लगती हैं। रोगग्रस्त फलियां आकार में छोटी हो जाती हैं और उनमें सिकुड़े हुए कुछ ही बीज बन पाते हैं।

तना गलन

यह रोग स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियोरम कवक से होता है। रोग के लक्षण के आधार पर इसे श्वेत-अंगमारी, तना विगलन, शाखा विगलन, शिखर विगलन तथा कैंकर कई नामों से जाना जाता है। तने के निचले भाग में मटमैले या भूरे रंग के फफोले दिखाई देते हैं। प्रायः यह फफोले रूई जैसे सफेद जाल से ढ़के रहते हैं। पतों पर इसके लक्षण कम दिखाई देते हैं। इसी कारण जब तक कि पूरा का पूरा पौधा अंदर से गल न जाए, रोगग्रस्त पौधे आसानी से पहचान में नहीं आता। ये फफोले तने व पत्तों को इस तरह ढ़क लेते हैं कि पौधा मुरझाकर लटक जाता है अंत में सूख जाता है। इस रोग के प्रभाव से पौधा बौना हो जाता है और समय से पहले ही पक जाता है। रोग के बीजाणु काले उड़द के दानों की तरह तने के भीतरी भाग में पनपते हैं जिससे कि बाहर से देखने पर उसका आभास ही नहीं हो पाता। कई बार ये बीजाणु तने की ऊपरी सतह पर भी दिखाई देते हैं।

औरोबंकी या आग्या

सरसों, तोरिया, राया फसलों पर औरोबंकी इलिप्टिका परजीवी का प्रकोप होता है। औरोबंकी से ग्रस्त पौधे सरसों के छोटे रह जाते है और कभी-कभी मर भी जाते हैं। औरोबंकी के वृक्षकांग (हॉस्टोरिया) सरसों की जड़ो में घुसकर पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। सावधानी से उखाड़ कर देखें तो पता चलता है कि औरोबंकी की जड़े सरसों की जड़ों के अंदर घुसी हुई दिखती है। सरसों के पौधे के नीचे मिट्टी से निकलते हुए औरोबंकी परजीवी दिखाई पड़ते है।

सरसों में समन्वित रोग प्रबंध

- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा तथा डाऊनी मिल्ड्यू रोग लगता है। उन क्षेत्रों में एपरॉन 35 एसडी का बीजोपचार करें।
- जिन क्षेत्रों में तना गलन का प्रकोप होता है वहां कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें या थायोफिनेट मिथाईल 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें।
- फसल की सिंचाई आवश्यकतानुसार करें तथा खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- बुवाई समय पर यानि अक्टूबर माह के अंत तक पूरी कर देनी चाहिये देरी से बुवाई में अधिक रोग लगते है।
- पौधों में फूल आने पर 0.1 प्रतिशत पर से कार्बेन्डाजिम अथवा थायोफिनेट मिथाइल को 20 दिन के अंतराल में दो बार (बुवाई के 50 एवं 70 दिन बाद) पतियों पर छिड़काव करने से सरसों में तना गलन को नियंत्रित किया जा सकता है।
- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा एवं डाऊनी मिल्ड्यू का प्रकोप जहां होता है वहां इन रोगों के लक्षण दिखाई देते ही रिडोमिल एम जेड या मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें आवश्यकतानुसार पुनः 15 दिन बाद दोहरावें।
- जिन क्षेत्रों में छाछिया रोग का प्रकोप होता है वहां रोग नियंत्रण के लिए केराथेन 0.1 प्रतिशत या घुलनशील गंधक 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें या गंधक चूर्ण 25 किलो प्रति हेक्टेयर का भुरकाव करें।
- जहां औरोबंकी का प्रकोप अधिक होता है वहां औरोबंकी परजीवी को हाथ से उखाड़कर या सावधानी से कसी से निराई-गुड़ाई द्वारा जमीन के ऊपर के तने को काटकर बीज बनने से पहले ही नष्ट कर देना चाहिये।
- औरोबंकी के पौधों पर दो बूंद सोयाबीन के तेल का डाल देने से भी पौधा मर जाता है। यदि रसायनों का प्रयोग करना है तो सावधानी से औरोबंकी पर ग्लाइफोसेट 0.4 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें ध्यान रहे सरसों पर न गिरे।
- जहां सफेदरोरी का प्रकोप अधिक होता है वहां बेसिका अल्बा, ब्रेसीका कैरीनेटा, ब्रेसीका नेपस का जातियां सफेदरोरी व अन्य रोगों से रोधी है उपयोग में लावें।
- तना गलन का प्रकोप होता है वहां धान व मक्का का फसल चक्र अपनावें, औरोबंकी ग्रसित क्षेत्रों में अरंडी का फसल चक्र अपनावें। उड़द एवं सरसों की क्रमवार बुवाई से भी तना गलन कम होता है।
- नए क्षेत्रों में औरोबंकी या अन्य रोगी खेत से बीज का प्रवेश नहीं होने देना चाहिये तथा परजीवी के बीज रहित सरसों के शुद्ध बीज का उपयोग करना चाहिये।

सावधानी से करें यूरिया का उपयोग

यूरिया का वर्गीकरण

यूरिया बहुउपयोगी उत्पाद है जिसको निम्न लिखित तीन वर्गों में विभाजित किया गया है.

कृषि ग्रेड यूरिया

कृषि फसलों एवं उद्यानिकी फलों, मसाला, सब्जियों आदि हेतु.

पशु आहार ग्रेड यूरिया

विभिन्न श्रेणी के पशुओं के दूध बढ़ाने फैट की मात्रा बढ़ाने तथा प्रोटीन के प्रमुख स्रोत हैं.

टेक्निकल ग्रेड यूरिया

औद्योगिक उत्पाद के लिए पेड़-पौधों को यूरिया की उपलब्धता तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में नत्रजन की क्षति - यूरिया का उपयोग मुख्य रूप से दो प्रकार से फसलों की आयु, वृद्धि की स्थिति, खेत की मिट्टी, जल स्तर, मिट्टी की अम्लता एवं क्षारीयता आदि स्थितियों के आधार पर किया जाता है। ठोस गोलियों के रूप में यूरिया को खेत की तैयारी के समय अन्य कार्बनिक खाद, स्फुर, पोटाश, सूक्ष्म तत्वों के साथ डाला जाता है। परंतु यह ध्यान रखें कि यूरिया कम से कम 3 इंच गहराई तक डाला जावे जिससे वह जमीन के अंदर अन्य जैविक स्रोतों, उपस्थित एंजाइम आदि के संयोजन से पौधों को उपलब्ध हो सके। समुचित नमी के अभाव में अथवा आवसीजन की कमी आदि के कारण यूरिया के नत्रजन की गैस रूप में क्षति होती है। यदि भूमि अम्लीय एवं क्षारीय हो तो यूरिया न डाला जाए क्योंकि यूरिया उर्वरक की विशेषता है कि वह न तो अम्लीयता और न क्षारीयता के रासायनिक क्रिया में न्यूट्रल रहता है। यूरिया की खास विशेषता है कि वह पौधों को नाइट्रेट के रूप में नत्रजन देती है परंतु रासायनिक क्रियाओं में न्यूट्रल रहती है। जल में शीघ्रता से घुल जाती है तथा मिट्टी इसे अपने में सोख लेती है। खड़ी फसल में यूरिया कई बार पौधों की वृद्धि के अनुसार छिड़क कर दिया जाता है परंतु ऊपरी सतह पर सिंचाई करना जरूरी है।

यूरिया घोल के रूप में छिड़कना

यूरिया को ठोस उर्वरक के रूप में उपयोग करने के साथ विपरीत परिस्थितियों में घोल के रूप में देना विशेष लाभप्रद है। क्योंकि उर्वरक की मात्रा कम लगती तथा उसका प्रभाव पतियों पर शीघ्र पड़ता है। घोल के रूप में यूरिया छिड़कते समय वायुमंडलीय आर्द्रता, पौधों की आयु, वानस्पतिक वृद्धि, पतियों का अच्छा विकास, पतियों में संचयित शर्कर की मात्रा के आधार पर घोल की सांद्रता निर्धारित करें। यूरिया को घोल के रूप में देते समय कीटनाशक दवाओं, फफूंदनाशक दवाओं, खरपतवारनाशक दवाओं के साथ मिलाकर छिड़कने से विशेष लाभ होता है परंतु ऐसे मिश्रण बनाते समय रसायनों का फैलाना आदि किसी कृषि जानकार वैज्ञानिक की सलाह से करना उचित होगा।

यूरिया घोल का छिड़काव किस प्रकार के स्प्रेयर से करें तथा घोल की सांद्रता कितनी रखी जावे

सामान्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में नेपसेक स्प्रेयर (हॉइवात्यूम) आसानी से उपलब्ध होते हैं। उसमें फाइन नोजल रखा जावे तथा 6% घोल 600-800 लीटर पानी में घोलकर छिड़कें। मुलायम, नवीन पतियों वाले पौधों पर पतला घोल तथा वयस्क एवं हाई पौधों की सांद्रता वैज्ञानिकों के द्वारा की गयी अनुशंसा के आधार पर करें।

निम्न परिस्थितियों में यूरिया घोल को छिड़काव करना चाहिए -

- जब खेत में आधार या टाप ड्रेसिंग तरीके से उर्वरक देना संभव न हो।
- खेत की तैयारी हेतु समय कम हो।
- क्षारीय एवं अम्लीय मिट्टियां तथा मरुभूमि में।
- फसल प्रतिस्पर्धा तथा भूमि स्थिति ठीक न हो।
- जब पौधे की गुणवत्ता तथा मरम्मत आदि निर्धारित हो।
- जब उर्वरक महंगा एवं अनुपलब्ध हो।
- असिंचित एवं बारानी भूमि।
- जब फसल कमजोर एवं क्षतिग्रस्त हो।

यूरिया का विकार बाइयुरेट

जब यूरिया की प्रिल (गोलियां अधिक (उच्च) तापमान एवं दाब पर बनाई जाती हैं तो समय अधिक लगने से यूरिया में एक अशुद्धि हो जाती है उसे 'बाइयुरेट' कहते हैं। जिन यूरिया में 1-2 प्रतिशत तक बाइयुरेट हो तो उसे आधार खाद या टाप ड्रेसिंग के लिए दिया जाये परंतु घोल के रूप में 0.300-0.4% के बाइयुरेट वाली यूरिया पशु आहार के रूप में उपयोग की जाती है। वह पशु आहार के लिए उपयुक्त है।

यूरिया घोल छिड़कते समय निम्न बातों पर ध्यान दें-

- यूरिया घोल की सांद्रता पौधों की आयु, वृद्धि के आधार पर निर्धारित करें।
- पतियों का अच्छा फोलरिज हो।
- हवा एवं वर्षा की स्थिति में छिड़काव न करें.
- दिन के गर्म अवधि में छिड़काव न करें.
- स्प्रेयर का नोजल महीन बूंदें दें।
- यूरिया घोल में कीटनाशक, फफूंदनाशक, खरपतवारनाशक दवाओं का उचित मिश्रण बनाकर ही छिड़काव करें।

अरहर फसल को कीटों के प्रति अधिक सावधानियां रखनी होती है क्योंकि इस फसल में भी अन्य फसलों की तरह अंकुरण से लेकर पकने तक की अवस्था में विभिन्न प्रकार के कीटों का आक्रमण होता है परंतु फूल एवं फली वाली अवस्था में प्रकोप होने पर उत्पादन में कमी आ जाती है। इन अवस्थाओं में आर्थिक रूप से हानि पहुंचाने वाले प्रमुख कीटों को मुख्य रूप से दो भागों में विभाजित किया जा सकता है-

भेदक कीट

हरी रोयेदार इल्ली या पिच्छकी शलभ (प्लूम मॉथ), चने की इली (हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा), फली मक्खी (पॉड फ्लाई), चित्तीदार फली भेदक (स्पाटेड पॉड बोरर) आदि।

रसचूसक कीट

भूरा फली बग (क्लेवीग्रेला गिब्बोसा) आदि।

समन्वित कीट प्रबंधन की विभिन्न विधियों का विवरण इस प्रकार है-

- फसल अवशेषों को नष्ट तथा ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करना चाहिये।
- अरहर की जल्दी पकने वाली जातियों का चुनाव करें जैसे- प्रगति, जागृति, उपास 120, प्रभात आदि।
- जिन क्षेत्रों में चितीदार फली भेदक का प्रकोप अधिक होता है वहां पर मध्यम अवधि की किस्मों की खेती करें जैसे आशा, नं. 148 आदि। इन जातियों में कीट प्रकोप कम होता है।
- प्रारंभिक अवस्था में हरी रोयेंदार इल्ली (पिच्छकी शलभ) की हरे या भूरे रंग की इल्लियों तथा शंखियों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें।
- चने का फली भेदक प्रकोपित क्षेत्रों में फेरोमेन प्रपंच का उपयोग करें तथा हर दिन सुबह इनमें इकट्ठी एक्षियों को नष्ट कर दें। एक हेक्टेयर में 5 फेरोमेन प्रपंच लगाना चाहिए। इन प्रपंचों में प्रयुक्त सेप्टा को 15 दिन बाद बदल दें।

अरहर में एकीकृत कीटनाशी प्रबंधन

- प्रकाश प्रपंच का उपयोग करें तथा सुबह इनमें इकट्ठा प्रौढों को नष्ट कर दें।
- खेत के अन्दर 4 से 5 मीटर की दूरी पर टी आकार की बांस की खूंटियों को, जिसकी लगभग ऊंचाई फसल से 30 से.मी. अधिक हो, लगा दें।
- अरहर की फसल में हानिकारक कीटों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के परभक्षी मित्र जीव (मकड़ी, बड़ा पतंगा, मेन्टिड, कावसीनेला, रिजूविड बग, क्रायसोपा आदि) परजीवी मित्र कीट (एपेन्टेलिस, ब्रेकान, ग्रायन, डायडिगमा, केम्पोलेटिस आदि) तथा रोगाणु पाये जाते हैं। अतः कीटनाशकों का प्रयोग बहुत सोच समझकर करें ताकि मित्र जीवों का संरक्षण एवं संवर्धन फसल के अंदर होता रहे।
- हानिकारक कीटों के सर्वेक्षण के अंतर्गत फसल पर फूलने एवं फली भरने की अवस्था पर हानिकारक कीट एवं उनके प्राकृतिक शत्रु (मित्र कीट) की संख्या के आकलन हेतु सामान्य नजरिया आकलन सप्ताह में दो बार करना चाहिये।
- अरहर में फूल आने की अवस्था में जब कीड़े आर्थिक हानि स्तर पर पहुंचने लगे या हानिकारक कीटों एवं लाभदायक जीवों का अनुपात 1:05 होने पर सतर्क हो जायें तथा कम अनुपात होने पर कीटनाशकों का उपयोग करें। पहला छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर एन. पी. वी./न्यूक्लियर पालीहाइड्रोसिस वायरस) का 250-500 एल.ई. या नीम तेल का 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। यह नव विकसित इल्लियों के नियंत्रण के लिये काफी कारगर होता है।
- कीटों के अधिक प्रकोप होने की स्थिति में रसायनिक नियंत्रण के लिए प्रथम छिड़काव मेलाथियान 50 ई.सी. 35 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से एवं उसके 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव इसके बाद भी आवश्यकता पड़ने पर फिर से 15 दिन बाद तीसरा छिड़काव क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से करें। हमेशा अदल-बदल कर कीटनाशकों का उपयोग करें।

उक्त समन्वित विधियों को अपनाकर किसान भाई अरहर के हानिकारक कीटों

का प्रभावशाली ढंग से प्रबंधन कर अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकते हैं। साथ ही कीटनाशकों से होने वाली प्रदूषण की समस्याओं को भी कम कर सकते हैं।

सेबी ने अनिल अंबानी को पांच साल के लिए शेयर बाजार से किया प्रतिबंधित

- अनिल अंबानी पर 25 करोड़ का जुर्माना भी लगाया, 24 अन्य संस्थाओं पर भी लगाई रोक

मुंबई । बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने उद्योगपति अनिल अंबानी पर बड़ी कार्रवाई की है। सेबी ने अ निल अंबानी पर 25 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया है और पांच साल के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी ने अनिल के अलावा रिलायंस होम फाइनेंस के पूर्व प्रमुख अधिकारियों समेत 24 अन्य संस्थाओं को कंपनी से फंड के डायवर्जन के आरोप में कार्रवाई की है। सेबी ने उद्योगपति अनिल अंबानी, रिलायंस होम फाइनेंस के पूर्व प्रमुख अधिकारियों सहित 24 अन्य संस्थाओं को भी कंपनी से धन निकालकर डायवर्ट करने के कारण पांच साल के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। अनिल अंबानी 5 साल की अवधि के लिए किसी भी सूचीबद्ध कंपनी, या बाजार नियामक के साथ पंजीकृत किसी भी मध्यस्थ में निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) के रूप में प्रतिभूति बाजार से नहीं जुड़ सकेंगे। रिलायंस होम फाइनेंस को छह महीने के लिए प्रतिबंधित किया गया। इसके अलावा न रिलायंस होम फाइनेंस को छह महीने के लिए प्रतिबंधित किया गया है और उस पर 6 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। सेबी की ओर से 22 पन्नों के अंतिम आदेश में कहा गया कि अनिल अंबानी ने आरएचएफएल के प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों की मदद से आरएचएफएल से फंड निकालने के लिए एक धोखाधड़ी योजना बनाई थी, जिसे उन्होंने अपने से जुड़ी संस्थाओं को लोन के रूप में छिपाकर रखा था। हालांकि आरएचएफएल के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर ने इस तरह के ऋण देने के तरीकों को रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी किए थे और नियमित रूप से कॉर्पोरेट लोन की जांच की थी लेकिन कंपनी के मैनेजमेंट ने इन आदेशों को नजरअंदाज किया। इससे पता चलता है कि शासन में महत्वपूर्ण विफलता है, जो अनिल अंबानी के प्रभाव में कुछ प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों की ओर से संचालित है। रिलायंस होम फाइनेंस के पूर्व प्रमुख अधिकारियों समेत 24 अन्य संस्थाओं पर कार्रवाई की है, उनके सूची इस प्रकार है- रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड- अनिल डी. अंबानी, अमित बापना, रविंद्र सुधालकर, पिंकेश आर. शाह, आधार प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एंड कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड, इंडियन एग्री सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, फी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, एरियन मूवी प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड, सिटी सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, डीप इंडस्ट्रियल फाइनेंस लिमिटेड, अजालिया डिस्ट्रीब्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, विनायक वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, गेमेसा इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, मेडीबिज प्राइवेट लिमिटेड, हिरमा पावर लिमिटेड, ट्यूलिप एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड, मोहनबीर हाई-टेक बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड, नेटिजेन इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, क्रेस्ट लॉजिस्टिक्स एंड इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड (अब सीएलई प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता है), रिलायंस यूनिकॉर्न एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस एक्सचेंज नेक्स्ट लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस क्लीनजेन लिमिटेड, रिलायंस बिजनेस ब्रॉडकास्ट न्यूज होल्डिंग्स लिमिटेड, रिलायंस ब्रॉडकास्ट नेटवर्क लिमिटेड, रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और रिलायंस कैपिटल लिमिटेड।

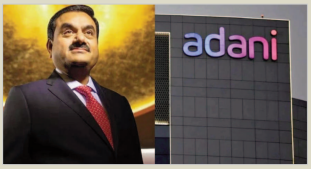

आफिसों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अदाणी नियुक्त करेंगे ऑडिटर्स और सीईओ!

नई दिल्ली। अरबपति गौतम अदाणी अपने फैमिली ऑफिसों के लिए एक बड़ी वैश्विक कंपनी के ऑडिटर्स नियुक्त करने और एक सीईओ रखने की योजना बना रहे हैं। इससे उनके कामकाज में वैसी पारदर्शिता आ सकेगी, जैसी आमतौर पर लिस्टेड कंपनियों में होती है। यह खबर सूत्रों के हवाले से आई है। माइनिंग से लेकर मीडिया तक के व्यापारिक साम्राज्य के फाउंडर अपने फैमिली ऑफिसों के खातों की ऑडिट के लिए बड़ी छह अकाउंटिंग फर्मों में से दो से बात कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, लगभग पांच लोगों की एक टीम के लिए नियुक्ति की जा रही है, जिसका नेतृत्व एक सीईओ और एक चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर करेंगे। यह टीम पहले समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी, जुगेशिंदर सिंह को रिपोर्ट करेगी और बाद में गौतम अदाणी को रिपोर्ट करेगी। बता दें कि अदाणी पिछले साल हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद अपनी छवि सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। बढ़ी हुई पारदर्शिता से उनके समूह की साख भी मजबूत होगी, खासकर जब वह अपने वैश्विक विस्तार और निवेशकों को आकर्षित करने में जुटे हैं। सूत्रों के मुताबिक, नया फैमिली ऑफिस मैनेजमेंट अदाणी समूह की लिस्टेड कंपनियों में संस्थापकों की हिस्सेदारी की देखरेख करेगा, साथ ही उन वित्तीय रिपोर्टों को तैयार करेगा जो परिवार अतिरिक्त पारदर्शिता के लिए प्रस्तुत करना चाहता है।

इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल ने आईपीओ लाने जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली । ब्लैकस्टोन के स्वामित्व वाली इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इंडिया) लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्मम (आईपीओ) के जरिये 4,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किये हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दाखिल किए दस्तावेज के अनुसार निर्गम 1,250 करोड़ रुपये के ताजा शेयर और 2,750 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकेश (ओएफएस) का संयोजन है। कंपनी ने नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग प्रवर्तक से आईजीआई बेल्जियम समूह और आईजीआई नीदरलैंड समूह के अधिग्रहण के लिए करने का प्रस्ताव किया है। साथ ही कुछ राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए किया जाएगा।

नई हुंडई अल्काजार की बुकिंग शुरू, टोकन अमाउंट 25,000 रुपए तय

नई दिल्ली । साउथ कोरिया की वाहन निर्माता कंपनी हुंडई मोटर्स एसयूवी सेगमेंट में अल्काजार को लॉन्च करती है। कंपनी अब इसके फेसलिफ्ट वर्जन को बाजार में उतारने की योजना बना रही है। इससे पहले ही कंपनी ने इसकी बुकिंग करनी शुरू कर दी है। इस वर्जन में आपको कई शानदार फीचर्स मिलने वाले है। इस नई एसयूवी के लिए बुकिंग को ग्राहकों के लिए 22 अगस्त से ही खोल दिया गया है। कंपनी ने इसकी बुकिंग के लिए टोकन अमाउंट 25,000 रुपये तय किया है। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड आने वाली 9 सितंबर को अपनी इस एसयूवी को लॉन्च करने जा रही है, जिसके बाद ही इसकी डिलीवरी कंपनी द्वारा शुरू की जाएगी। इस एसयूवी में आपको इंफोटेनमेंट और इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के लिए डुअल 10.25 इंच की स्क्रीन दी जाएगी। वहीं ऐसी संभावना है कि इसके टॉप वेरिएंट में डुअल जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल भी ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

सरकार अगले महीने खुले बाजार में गेहूं बेचना शुरू करेगी

नई दिल्ली ।

सरकार अगले महीने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के भंडार से थोक खरीदारों को खुले बाजार में गेहूं बेचने पर विचार कर रही है। यह फैसला आगामी त्योहारी सीजन में संभावित मूल्य वृद्धि को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। पिछले साल एफसीआई ने जून में खुले बाजार में बिक्री शुरू की थी और 10 मिलियन टन गेहूं की रिकॉर्ड मात्रा थोक खरीदारों को बेची थी। व्यापारियों का कहना है कि मौजूदा आपूर्ति स्थिति पर्याप्त है लेकिन त्योहारी सीजन में मांग बढ़ने पर कीमतों में वृद्धि की संभावना हो सकती है। वर्तमान में एफसीआई के पास 25.89 मिलियन टन गेहूं का भंडार है, जबकि अक्टूबर 1 के लिए बफर स्टॉक 20.52 मिलियन टन है। एक आधिकारिक नोट के अनुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लिए 18.4 मिलियन टन गेहूं की आवश्यकता होगी। सूत्रों ने बताया कि सरकार गेहूं की कीमतों पर निगरानी रखे हुए है, जो पिछले छह महीनों से स्थिर रही हैं। खुले बाजार में गेहूं की बिक्री उस समय शुरू की जाएगी जब कीमतों में वृद्धि की संभावना होगी। उपभोक्ता मामले मंत्रालय के अनुसार गुरुवार को गेहूं के खुदरा मूल्य की औसत कीमत 28 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो पिछले छह महीनों से स्थिर है। खाद्य मंत्रालय ने वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए एफसीआई के स्टॉक्स से खुले बाजार में 2.5 मिलियन टन गेहूं की बिक्री के लिए आवंटित किया है। एफसीआई गेहूं की बिक्री 2,325 रुपए प्रति क्विंटल की कीमत पर शुरू करेगी, जो मौजूदा बाजार की कीमतों से लगभग 2,500 रुपए प्रति क्विंटल कम है।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को मामूली तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 33.02 अंक बढ़कर 81,086.21 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11.65 अंक ऊपर आकर 24,823.15 के पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान वाहन क्षेत्र के शेयर ऊपर आये। वहीं इंट्रा डे कारोबार के दौरान सेंसेक्स 81,231.49 के उच्च और 80,883.26 के निचले स्तर पर पहुंचा जबकि निफ्टी 24,858.40 के उच्च और 24,771.65 के निचले स्तर पर पहुंचा। शुरुआत करोबार की बात करें तो सेंसेक्स 81,165.65 पर और निफ्टी-50 24,845.40 के लेवल पर खुला।

अमेरिक में सितंबर में फेड की तरफ से दर में कटौती तकरीबन निश्चित है। इसी को देखते हुए आज ग्लोबल मार्केट में निवेशकों ने भी ज्यादा कारोबार नहीं किया।

बाजार में आज ज्यादातर क्षेत्रों में गिरावट रही। निफ्टी में वाहन क्षेत्र को छोड़कर सभी क्षेत्रों में गिरावट रही। सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में बजाज ऑटो सबसे ऊपर रहा। उसके शेयर 4.74 फीसदी बढ़कर 10,384.45 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए जबकि, इंट्रा डे ट्रेड के दौरान इसके शेयर 10,444.35 के उच्चतम स्तर पर पहुंचे थे। बजाज ऑटो के अलावा, सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में कोल इंडिया, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स और सनफार्मा के शेयर रहे। बाजार में आज सबसे बड़ी गिरावट रियल्टी के क्षेत्र में रही। इससमें कुल 2.43 फीसदी की गिरावट रही जबकि, टॉप लूजर्स में में नंबर-1 पर एलटीआई माइंडट्री के शेयर रहे। इसके अलावा, विप्रो, ओएनजीसी, एशियन पेंट्स और टाइटन के शेयरों को भी सबसे अधिक नुकसान हुआ। वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो अमेरिकी शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 1,371.79 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

इससे पहले आज सुबह कारोबार की शुरुआत सकारात्मक रुख के साथ की, लेकिन बाद में वैश्विक बाजारों में नरम रुख और आईटी शेयरों में बिकवाली के बीच इनमें गिरावट आई। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 37.32 अंक की बढ़त के साथ 81,090.51 अंक पर खुला। एनएसई निफ्टी 18.25 अंक चढ़कर 24,829.75 पर पहुंच गया। बाद में दोनों सूचकांकों ने अपनी शुरुआती बढ़त खो दी। जापान का निक्केई 225 सूचकांक 0.17 फीसदी की गिरावट पर था, जबकि टॉपिक्स सूचकांक 0.04 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ लगभग स्थिर रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.13 फीसदी गिरा, जबकि कोस्डेक में 0.79 फीसदी की गिरावट आई। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 सूचकांक 0.40 फीसदी की गिरावट पर रहा। हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 0.55फीसदी की गिरावट के साथ 17,543 स्तर पर आ गया।

देश का संगठित स्वर्ण ऋण बाजार अगले पांच साल में हो सकता है दोगुना: रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारत का संगठित स्वर्ण ऋण बाजार अगले पांच साल में दोगुना होकर 14.19 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच जाने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। देश के स्वर्ण ऋण बाजार पर जारी इस रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में संगठित स्वर्ण ऋण बाजार की पर्याप्त वृद्धि हुई थी और यह 7.1 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर पहुंच गया था। इसके मुताबिक पांच साल में 14.85 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर पर सोने के बदले कर्ज का बाजार वित्त वर्ष 2028-29 तक 14.19 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाने की संभावना है। रिपोर्ट कहती है कि भारतीय परिवारों के पास भारी मात्रा में सोना है, जिसके 25,000 टन होने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय परिवारों के पास मौजूदा सोने की कीमत लगभग 126 लाख करोड़ रुपये है। अगले दो वर्षों में सोने के बदले कर्ज के बाजार में मध्यम वृद्धि देखने को मिलेगी, क्योंकि सोने के बदले कर्ज देने वाले ऋणदाताओं को कर्ज एवं मूल्य (एलटीवी) रखरखाव और नीलामी से संबंधित प्रक्रियाओं के संबंध में नियामक अधिकारियों से बढ़ती जांच का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बाजार की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी के निष्क्रिय होने से चालू वित्त वर्ष में बाजार की वृद्धि पर असर पड़ेगा। इसके अलावा नकद वितरण पर गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को रिजर्व बैंक की सलाह, जो नकद वितरण की राशि को 20,000 रुपये तक सीमित करती है, ग्राहकों को असंगठित क्षेत्र पर भरोसा करने के लिए प्रेरित कर सकती है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार का भारतीय रुपया तीन पैसे की तेजी के साथ 83.90 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और विदेशी पूंजी के ताजा प्रवाह से रुपया शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे मजबूत होकर 83.88 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि तेल की कीमतों में उल्लेखनीय सुधार रुपये के लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत है, क्योंकि भारत में तेल का आयात काफी अधिक है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.93 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.88 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो उसके पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को 83.93 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 फीसदी की गिरावट के साथ 101.35 पर रहा।

अडानी समूह अंबुजा सीमेंट में हिस्सेदारी बेचकर 4,197 करोड़ जुटाएगा

नई दिल्ली । अदाणी परिवार अपनी सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट्स में ब्लॉक डील के जरिये अपनी 3 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 50 करोड़ डॉलर यानी करीब 4,197 करोड़ रुपये जुटाने के लिए विचार कर रहा है। बैंकिंग सूत्रों ने बताया कि शेयरों की यह बिक्री अदाणी परिवार द्वारा अपने 125 अरब डॉलर के दमदार पोर्टफोलियो को प्रबंधित एवं संतुलित करने की पहल के तहत की जा रही है। इससे समूह की कंपनियों में निवेश को रफ्तार देने और भारत में लंबी अवधि के लिए निवेश करने के इच्छुक सॉवरिन फंड निवेशकों को शामिल करने की योजना है।

बिक्री की शर्तों के अनुसार अंबुजा सीमेंट्स के शेयरों की पेशकश गुरुवार के बंद भाव 632 रुपये प्रति शेयर पर 5 फीसदी छूट के साथ की जाएगी। अदाणी समूह ने इस बाबत जानकारी के लिए पूछे जाने पर कोई टिप्पणी नहीं की। फिलहाल अंबुजा सीमेंट्स में अदाणी परिवार की 90.33 फीसदी हिस्सेदारी है जिसे उसने मई 2022 में स्विटजरलैंड की

कंपनी होल्सिम से खरीदी थी। अदाणी पावर में भी अदाणी परिवार की 71.71 फीसदी हिस्सेदारी है।

इस मामले के एक करीबी सूत्र ने बताया कि अदाणी परिवार इस बिजली उत्पादन करने वाली कंपनी में 0.5 से 3 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर वैश्विक निवेशकों को शामिल करना चाहता है। मगर इस संबंध में अब तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

जोमैटो ने इंटर सिटी डिलीवरी सर्विस बंद की

नई दिल्ली । ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अपनी इंटर सिटी डिलीवरी सर्विस लेजेंड्स को तत्काल बंद करने का फैसला किया है। लेजेंड्स सेवा के तहत जोमैटो कुछ चुनिंदा शहरों के मशहूर उत्पादों को दूसरे शहरों में आपूर्ति करती थी। कंपनी ने 2 साल पहले जब इस सेवा की शुरुआत की थी तो कहा था कि इस क्षेत्र में काफी संभावनाए हैं। कंपनी ने इसे इसी साल अप्रैल में सस्पेंड कर दिया था। इसके बाद जुलाई में फिर से इसे शुरू किया गया था। जोमैटो के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने इस फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि जोमैटो लेजेंड्स को बाजार के अनुकूल नहीं पाए जाने पर हमने इसे तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया है। लीजेंड्स के तहत देश के 10 शहरों के मशहूर भोजन देश के दूसरे हिस्सों में भेजे जाते थे। जोमैटो ने 2022 में अपनी इस सेवा की शुरुआत की थी। पहले इसके लिए कोई मिनिमम ऑर्डर की लिमिट नहीं थी। इसके बाद 5000 रुपये के न्यूनतम ऑर्डर की अनिवार्यता कर दी गई ताकि मुनाफा बढ़ाया जा सके। इसके बावजूद कंपनी को इसका वित्तीय औचित्य समझ नहीं आ रहा था। कंपनी ने एक ब्लॉगपोस्ट में लिखा था, भारत के हर गली-नुक्कड़ पर एक हीरा छुपा है। 100 से अधिक एयरपोर्ट और भांति-भांति के पकवान के साथ देश के इस क्षेत्र में बहुत कुछ है। इंटरसिटी लेजेंड्स ऐसे में कितना बड़ा हो सकता है इसकी कोई सीमा नहीं। इससे पहले जोमैटो ने अपनी एक्सट्रीमी सर्विस को भी बंद कर दी थी।

भारत ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ नहीं, बल्कि चाहता है कि वे निष्पक्ष रहें: गोयल

ऑनलाइन कारोबार करने वालों को प्रतिस्पर्धा करने का उचित अवसर सुनिश्चित करने की जरूरत

नई दिल्ली । वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ नहीं है, बल्कि चाहता है कि वे निष्पक्ष और ईमानदार रहें। गोयल ने कहा कि ऑनलाइन कारोबार करने वालों को प्रतिस्पर्धा करने का उचित अवसर सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। गोयल ने हाल ही में ई-कॉमर्स कंपनियों की बाजार खराब करने वाली कीमतों के बारे में चिंता जताई और देश में छोटे खुदरा विक्रेताओं पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बात की थी। उन्होंने अपनी आशंकाओं को सार्वजनिक रूप से भी व्यक्त किया और ई-कॉमर्स क्षेत्र के बड़े पैमाने पर वृद्धि के साथ बड़े सामाजिक व्यवधान की चेतावनी दी। गोयल ने हाल ही में यहां एक कार्यक्रम में कहा कि इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट हैं कि हम एफडीआई लाना चाहते हैं, हम प्रौद्योगिकी को आमंत्रित करना चाहते हैं, हम दुनिया का सर्वश्रेष्ठ चाहते हैं और हम ऑनलाइन के बिल्कुल भी खिलाफ नहीं हैं। देश हमेशा यही चाहता है कि ग्राहकों के प्रति निष्पक्ष व्यवहार हो, ईमानदारी बरती जाए, वस्तुओं और सेवाओं के आपूर्तिकर्ताओं के प्रति ईमानदारी हो और यह सुनिश्चित हो कि अन्य लोगों को भी ऐसे ऑनलाइन व्यापार के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने का उचित अवसर मिले। गोयल ने कहा कि ई-कॉमर्स क्षेत्र में गति और सुविधा जैसे बड़े लाभ हैं। सरकार चाहती है कि ऐसी कंपनियां देश के लोगों की सेवा करें। पीयूष गोयल ने दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन की भारत में एक अरब डॉलर के निवेश की घोषणा पर पिछले दिनों सवाल उठाते हुए कहा था कि अमेरिकी कंपनी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कोई बड़ी सेवा नहीं कर रही है, बल्कि देश में हुए नुकसान की भरपाई कर रही है। उन्होंने कहा था कि भारत में अमेजन को हुआ भारी घाटा असल में बाजार बिगाड़ने वाली बेहद कम कीमतों पर उत्पादों की बिक्री के तौर-तरीकों को बयां करता है लेकिन यह भारत के लिए अच्छा नहीं है क्योंकि इसका असर करोड़ों छोटे खुदरा विक्रेताओं पर पड़ता है।

बिहार में पेट्रोल और डीजल महंगा, महाराष्ट्र में हुआ सस्ता

नई दिल्ली । भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के भाव पर आधारित होती हैं। भारतीय तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं। जिसके बाद हर सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोल और डीजल का नए रेट अपडेट करती है। तेल कंपनियों ने शुक्रवार को भी पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। शुक्रवार को बिहार में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। बिहार में पेट्रोल 22 पैसे बढ़कर 107.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल 21 पैसे बढ़कर 94.02 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 50 पैसे घटकर 104.27 रुपये प्रति लीटर और डीजल 47 पैसे घटकर 90.81 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। इसके अलावा आंध्रप्रदेश, असम, गोवा, गुजरात, हिमाचल, झारखंड, मणिपुर, राजस्थान. तामिलमाडु और त्रिपुरा में भी पेट्रोल-डीजल के दाम घट गए हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये और डीजल की कीमत 91.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

प्रतिद्वंद्वी की सलाह से मदद मिली, डायमंड लीग के फाइनल में पहुंचकर बोले नीरज चोपड़ा

लुसाने (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कीनिया के उनके प्रतिद्वंद्वी जूलियस येगो की 'धैर्य बनाये रखने' की सलाह उनके लिए मददगार साबित हुई और वह सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ यहां डायमंड लीग मीट में दूसरे स्थान पर रहे। पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाला यह 26 वर्षीय खिलाड़ी चौथे दौर तक चौथे स्थान पर चल रहा था। उन्होंने पांचवें प्रयास में 85.58 मीटर भाला फेंक फेंक तीसरा स्थान पक्का किया और फिर अंतिम प्रयास में 89.49 मीटर भाला फेंका जो पेरिस ओलंपिक के 89.45 मीटर से थोड़ा बेहतर है। पांचवें प्रयास के बाद केवल शीर्ष तीन खिलाड़ी ही भाला फेंक सकते थे।

चोपड़ा ने आधिकारिक प्रसारक से कहा, ''(एंडरसन) पीटर्स ने 90 मीटर थ्रो किया, मेरा शरीर अच्छा महसूस नहीं कर रहा था लेकिन अंदर से संघर्ष करने की पूरी भावना थी। मुझे वास्तव में अपनी वापसी पसंद आई। आखिरी थ्रो में मैंने ज्यादा नहीं सोचा, बस अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।' उन्होंने कहा, 'मैंने शुरुआती प्रयास में ही अच्छा करने का सोचा था लेकिन यह थ्रो सही नहीं रहा। जूलियस येगो ने मुझे कहा 'धैर्य बनाये रखो' तुम दूर तक भाला फेंकोगे। मैं शांतचित रहने की कोशिश कर रहा था।'

येगो 83 मीटर के प्रयास के साथ छठे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने कहा कि उनके लिए प्रतियोगिता का दिन थोड़ा अजीब रहा क्योंकि शुरुआत में उन्हें लगा था कि वह बेहतर परिणाम नहीं दे पायेंगे। उन्होंने कहा, '...शुरुआत में मैंने नहीं सोचा था कि मैं बहुत दूर तक फेकूंगा लेकिन अंत में यह अच्छा रहा।' यह पूछे जाने पर कि वह इस सत्र में और कितनी प्रतिस्पर्धा करेंगे, इस भारतीय ने कहा, 'हो सकता है कि दो या एक प्रतियोगिता में भाग लूं और फिर मेरे लिए यह सत्र खत्म हो जायेगा। अभी कुछ कहना सही नहीं होगा लेकिन शायद ब्रसेल्स (डायमंड लीग का समापन) में इस साल का अपना आखिरी टूर्नामेंट खेलूं।'

चोपड़ा को गुरुवार को दूसरे स्थान पर रहने पर सात अंक मिले। वह 15 अंकों के साथ डायमंड लीग तालिका में वेबर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। पीटर्स 21 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गए। चेक गणराज्य के जैकब वाडलेच यहां सातवें (82.03 मीटर) स्थान पर रहे। वह समग्र तालिका में 16 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इस सत्र का डायमंड लीग फाइनल 14 सितंबर को ब्रसेल्स में होगा।

फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए चोपड़ा को समग्र तालिका में शीर्ष-छह में रहना होगा। लंबे समय से चली आ रही जांघ की चोट से जूझ रहे चोपड़ा ने अगले साल के लिए अपने लक्ष्यों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि उनकी प्राथमिकता पूर्ण फिटनेस हासिल करने पर होगी। उन्होंने कहा, 'पहला लक्ष्य, डॉक्टर के पास जाना

और जांघ की चोट को 100 प्रतिशत फिट करना है। इसके साथ ही मैं तकनीकी रूप से बेहतर होने की कोशिश करूंगा ताकि भाले को और दूर तक फेंक सकूं।'

मुंबई हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखायेंगे तेंदुलकर, भाग लेंगे 20,000 प्रतिभागी

मुंबई (एजेंसी)। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर रविवार को यहां होने वाली मुंबई हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाकर शुरू करेंगे जिसमें 6,000 से ज्यादा महिलाओं सहित करीब 20,000 प्रतिभागियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

तेंदुलकर यहां बांद्रा कुर्ला परिसर में सुबह पांच बजे मैराथन की मुख्य रेस को ही झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसकी 10के रेस में सबसे ज्यादा 8,000 से अधिक पंजीकरण हुए हैं जबकि 21के (21 किमी) हाफ मैराथन में 4,000 धावक उतरेंगे जिसमें महाराष्ट्र के अलावा अन्य एलीट एथलीट शिरकत करेंगे।

वहीं 5के रेस में 3,000 धावक और 3के रेस में 3,000 से ज्यादा प्रतिभागी होंगे। रेस में भारतीय नौसेना के भी 1,500 धावक हिस्सा लेंगे जबकि आयोजकों ने बताया कि इस साल महिला प्रतिभागियों की संख्या में 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है।

तेंदुलकर ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'हमारा लक्ष्य दौड़ने को फिटनेस के एक साधन के रूप में बढ़ावा देना है और इस दृष्टिकोण को जीवन में लाना है। इस साल मुंबई हाफ मैराथन के लिए पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि देखना उत्साहजनक है।'

अगले साल जून में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अगले साल इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार पांच टेस्ट मैचों की ये सीरीज अगले साल जून से अगस्त के बीच खेली जाएगी। इसका पहला मैच 20 जून से होगा। वहीं अंतिम टेस्ट मैच 31 जुलाई से शुरू होगा। भारतीय टीम इंग्लैंड के पिछले दौरे में जीत के बेहद करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी थी। ऐसे में इस बार उसका लक्ष्य जीतना रहेगा। भारत ने 2021 में इंग्लैंड दौरे पर 2-1 की बढ़त बना ली थी पर तब कोरोना संक्रमकण के चलते सीरीज बीच में रोक दी गयी थी। बाद में सीरीज का बाकी बचा एकमात्र मैच खेला गया, जिसे इंग्लैंड ने जीता। इस तरह सीरीज 2-2 से बराबर रही थी।

भारत और इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से ठीक पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा। भारत डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 की रेस में सबसे आगे है और उसके खिताबी मुकाबले में पहुंचने की पूरी उम्मीदें हैं। इसके बाद इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज शुरू होगी। भारत-इंग्लैंड सीरीज 20 जून को शुरू होगी।अगर पांचवां टेस्ट मैच पांच दिन चलता है तो सीरीज 4 अगस्त को खत्म होगी। सीरीज का पहला मैच लीड्स में खेला जाएगा. दूसरा मैच बर्मिंघम और तीसरा मैच लॉर्ड्स में खेला जाएगा। सीरीज का चौथा मैच मैनचेस्टर और पांचवां मैच 31 जुलाई से लंदन के ओवल में खेला जाएगा।

भारत इंग्लैंड सीरीज 2025 का कार्यक्रम इस प्रकार है–

पहला टेस्ट 20 से 24 जून लीड्स
दूसरा टेस्ट 2 से 6 जुलाई बर्मिंघम
तीसरा टेस्ट 10 से 14 जुलाई लंदन
चौथा टेस्ट 23 से 27 जुलाई मैनचेस्टर
पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से 4 अगस्त ओवल

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से वापसी करेंगे अश्विन

-गंभीर की कोचिंग में पहली बार खेलेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिन आर अश्विन अगले माह बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली सीरीज से एक बार फिर टीम में वापसी करेंगे। अश्विन पिछले काफी समय से टीम से बाहर चल रहे थे। इसी सीरीज के बाद सत्र में होने वाले सभी टेस्ट मैच में वह भारतीय टीम की ओर से खेलेंगे। इसमें बॉर्डर गावस्कर सीरीज भी है। अश्विन को इस बार एक बदलाव देखते को ये मिलेगा कि टीम के कोच के तौर पर उन्हें गौतम गंभीर नजर आयेंगे। ये गंभीर के मार्गदर्शन में उनकी पहली सीरीज होगी। अश्विन ने गंभीर की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट के नायकों में से एक हैं। उन्होंने कहा, 'गौतम ऐसे व्यक्ति हैं जिनके साथ मेरे अब भी बहुत अच्छे संबंध हैं। इस तथ्य के कारण कि वह बहुत सीधे और ईमानदार व्यक्ति हैं। अश्विन ने कहा, 'मुझे लगता है कि गौतम भी उन लोगों में से एक हैं जिनका हमें हमेशा समर्थन करना चाहिए। वह भारतीय क्रिकेट के हीरो हैं।

इसके साथ ही अश्विन ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से युवा खिलाड़ी कोचों और मार्गदर्शकों पर निर्भर हो रहे हैं। वह ठीक नहीं है। अश्विन के अनुसार इससे बल्लेबाज नये विचार और नई सोच विकसित नहीं कर पाते हैं और उन्हें कोच जो बताता है। वे वहीं तक सीमित हो जाते हैं। अश्विन ने कहा कि इसलिए मुझे अभी भी पारंपरिक रूप से कोच पर निर्भर रहने का विचार नहीं आया। साथ ही कहा कि इसी कारण वह कठिन दौर से भी स्वयं सामाधान खोजने की अपनी क्षमता के कारण निकल आते हैं। उन्होंने कहा कि बहुत सारे खिलाड़ी कोच या मार्गदर्शक या किसी एक व्यक्ति पर जरुरत से ज्यादा निर्भर होते हैं जो मुझे लगता है कि सही नहीं है। इससे वे नये विचारों के लिए तैयार नहीं होते। अश्विन ने कहा कि उनके पास भी राज्य टीम के पहले कोच डब्ल्यूवी रमन जैसे कोच रहे हैं पर उन्होंने कभी नहीं कहा कि तुम्हें मेरे बताये रास्ते पर ही चलना है। इसी कारण वह अपनी मुश्किलों के समाधान स्वयं खोजते रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'अक्सर कोच की चुनौती आपके लिए कई समाधान देने में सक्षम होना होती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जो एक विशेष खिलाड़ीके लिए काम करता है, वह शायद दूसरे के लिए काम नहीं करे। अश्विन ने कहा, 'एक आधुनिक कोचिंग का पहलू जिससे मैं पूरी तरह असहमत हूं, वह यह है कि वे उसी समाधान को दूसरे को देने का प्रयास करते हैं जिससे किसी को लाभ हुआ हो। कुछ खिलाड़ी अपने कोच के नजरिए से सफल भी होते हैं पर उन्हें यह भी लगता है कि इस तरह की निर्भरता आपकी सोच को सीमित कर सकती है। वहीं एक क्रिकेटर के तौर पर आपको लगातार नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है इसलिए आपको अपने जवाब खुद ही तलाशने चाहिए।

उन्होंने कहा, 'लोग आपकी मदद कर सकते हैं पर वे आपके करियर में आपका मार्गदर्शन नहीं कर सकते, आपको नए विचारों के लिए स्वयं तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा, 'कोच रमन ने मुझे अपने को जाहिर करने की आजादी दी और आप जानते हैं, नई चीजों को आजमाने की। उन्होंने मुझे यह भी सिखाया कि मुझे कैसे और किस रास्ते पर चलना है लेकिन उन्होंने कभी नहीं कहा, 'यह वह रास्ता है जिस पर आपको चलना है। अश्विन ने कहा, 'तो एक तरह से, मेरे शुरुआती दिनों में, डब्ल्यूवी के मार्गदर्शन ने सुनिश्चित किया कि मैं कभी भी किसी पर अत्यधिक निर्भर नहीं रहा। अश्विन ने कहा कि दूसरी राय लेना कभी भी बुरा विचार नहीं है लेकिन क्रिकेट मुख्य रूप से एक स्वयं सिखाया हुआ खेल है। उन्होंने कहा, 'यदि आपको अपने खेल के बारे में जानकारी नहीं है और यदि आप खुद को नहीं सिखा सकते हैं, तो मुझे लगता है कि आप हमेशा किसी पर निर्भर रहने वाले हैं, जो मुझे लगता है कि बहुत खतरनाक हिस्सा है।

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को उनकी खास 'कैरम बॉल को समझने के लिए संघर्ष करना पड़ा है और उन्हें इसमें पारंगत होने में लगभग तीन साल लग गए। अश्विन ने कहा, 'मैंने 2006 या 2007 के बाद से नेट्स में ऐसी गेंदें फेंकना शुरू किया जो शायद मेरे लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट का दूसरा सत्र था। उन्होंने कहा, '2008 में विजय हजारे ट्रॉफी (के एस सुब्बैया पिल्लई ट्रॉफी) के दक्षिण क्षेत्र के मैचों के दौरान मैंने लगभग दो साल बाद इस गेंद को फेंका। 2010 तक मैं जिस गति से गेंदबाजी करता था, उसके बारे में शायद काफी आश्वस्त था। इसलिए मुझे आत्मविश्वास हासिल करने में लगभग दो से तीन साल लग गए।

रिजवान ने बाबर की ओर फेंका बल्ला

रावलपिंडी (ईएमएस)। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान बांग्लादेश के साथ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन दोहरे शतक के करीब पहुंचकर भी उसे नहीं बना सके। रिजवान ने अपनी पारी में जब 171 रन बना लिए थे तभी कप्तान शान मसूद ने पारी घोषित कर दी। इस कारण भड़के हुए रिजवान ने पवेलियन लौटते समय अपना बल्ला बाबर आजम के सामने फेंक दिया। तब आजम बाउंड्री के करीब थे। रिजवान और बाबर आजम लंबे समय से पारी की शुरुआत करते रहे हैं। ऐसे में दोनों में अच्छी दोस्ती है। इसी कारण रिजवान जब मैदान से बाहर जा रहे थे तब, बाबर उनकी तारीफ करने के लिए बाउंड्री के पास आये थे। ऐसे में रिजवान ने बाबर को देखकर बल्ला उनकी ओर उछाल दिया। बाबर ने तेजी से बल्ले को पकड़ लिया। इसके बाद दोनों हंसी मजाक करते दिखे। रिजवान का यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस मैच में रिजवान और उपकप्तान सउद शकील के बीच 5वें विकेट के लिए 240 रन की साझेदारी हुई। पाकिस्तान ने 6 विकेट पर 448 रन पर पारी घोषित कर दी। वहीं रिजवान ने 239 गेंद में 11 चौके और तीन छक्के लगाकर 171 रन बनाये जबकि बायें हाथ के बल्लेबाज शकील ने 261 गेंद में नौ चौके की मदद से 141 रन रन बनाए।

काउंटी में अगले साल नहीं खेलेंगे पुजारा, ब्लूज शामिल

लंदन। भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा अब अगले साल काउंटी क्रिकेट नहीं खेलेंगे। इसका कारण है कि काउंटी टीम ससेक्स ने पुजारा का करार समाप्त कर दिया है। ससेक्स ने पुजारा की जगह ऑस्ट्रेलिया के डेनियल ब्लूज को शामिल कर लिया है। इसी कारण उसने पुजारा को हटा दिया है। अब अगले साल बाएं हाथ के बल्लेबाज ब्लूज सभी वैंपियनशिप और टी20 विटैलिटी ब्लास्ट मैचों में खेलेंगे। ससेक्स ने यह भी कहा कि वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स भी काउंटी वैंपियनशिप के शुरुआती मैचों में उसकी टीम से खेलेंगे। पुजारा ने 2024 में लगातार तीसरी बार ससेक्स की ओर से खेला था। उन्होंने ब्लूज की वापसी से पहले पहले सात वैंपियनशिप मैच खेले थे। ससेक्स के मुख्य कोच पॉल फारब्रेस ने कहा,'' पुजार ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया था, ऐसे में उनसे करार समाप्त करना आसान काम नहीं था पर ब्लूज की हमें जरूरत थी। इसलिए ये बदलाव करना पड़ा। हमें खुशी है कि वह अगले पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे।''ब्लूज ने इस साल के ब्लास्ट के ग्रुप चरण में 43.07 की औसत से 560 रन बनाए जिसमें पांच अर्द्धशतक शामिल है। उनका सबसे अधिक स्कोर 96 रन रहा। वह वर्तमान सत्र में काउंटी वैंपियनशिप के बाकी बचे पांच मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। पुजारा ने टीम इंडिया के लिए अपना आखिरी टेस्ट मैच जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। इसके बाद से वह टीम इंडिया से बाहर हैं।

गंभीर की आईपीएल में मिली सलाह से बल्लेबाजी बेहतर हुई : साल्ट

मुंबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिलिप साल्ट ने कहा है कि आईपीएल खेलते समय उन्हें तब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटोर रहे गौतम गंभीर से काफी अच्छी सलाह मिली थी। साल्ट ने कहा कि उसे सलाह के कारण ही वह बेहतर प्रदर्शन कर पाये थे। साल्ट 2024 आईपीएल विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम में शामिल थे। आईपीएल में गंभीर के साथ बिताए समय को याद करते हुए साल्ट ने कहा कि गंभीर में प्रतिस्पर्धा का एक सकारात्मक गुण है।

साल्ट ने कहा, वह हमेशा उस एक प्रतिशत की तलाश में रहते हैं जो व्यक्ति को बेहतर बनाने और टीम को जीत दिलाने में मदद करे। इसलिए मुझे उनके लिए काम करना

अच्छा लगा। साल्ट केकेआर टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे हालांकि वह प्लेऑफ से पहले स्वदेश लौट गये थे। इसका कारण ये है कि इंग्लैंड ने उन्हें टी20 विश्व कप से पहले पाकिस्तान के खिलाफ टी20 आई सीरीज के लिए वापस बुलाया था। साल्ट ने जो भी मैच खेले उनमें अपने प्रदर्शन से गहरी छाप छोड़ी।

उन्होंने कहा कि गंभीर की सलाह से उन्हें सहजता से रन बनाने में सहायता मिली। एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान गंभीर के साथ हुई बातचीत को याद करते हुए साल्ट ने कहा कि गंभीर ने उन्हें अपनी पारी को गहराई तक ले जाने और रन बनाने के लिए कहा, खासकर पारी के दूसरे भाग में। साथ ही कहा , जब मैं पहले प्रशिक्षण सत्र से बाहर आया, तो उन्होंने कहा, मुझे पता है कि तुम हमारे लिए रन बनाने जा रहे हो, लेकिन मैं चाहता हूं कि तुम अपने अधिकांश रन दसवें और 20वें ओवर के बीच बनाओ।

पैदल चाल खिलाड़ी भावना जाट पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली। नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक (एडीडीपी) पैनल ने भारत की पैदल चाल खिलाड़ी भावना जाट पर 16 महीने का प्रतिबंध लगा दिया है। भावना पर ये पाबंदी इसलिए लगायी गयी है क्योंकि पिछले साल वह अपने ठिकाने की जानकारी देने में असफल रही थीं। इसी कारण भावना को पिछले साल अगस्त में ही राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने बुडापेस्ट में हुई 2023 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा से निलंबित करते हुए वापस बुला लिया था। वहीं उनका 16 महीने के प्रतिबंध का समय अस्थाई निलंबन की तारीख 10 अगस्त 2023 से शुरू हुआ। इस प्रकार उनका प्रतिबंध इस साल के अंत में 10 दिसंबर को समाप्त हो जाएगा। नाडा नियमों के अनुच्छेद 2.4 के अनुसार उन्हें निलंबित करने का फैसला 10 जुलाई को सुनाया गया था पर इसे अब सार्वजनिक किया गया है। भावना ने मई और जून 2023 में दो डोप जांच भी नहीं करायी थी। इसी कारण उन्हें 2022 के अंत में चेतावनी दी गई थी। भावना ने तब कहा था कि मोबाइल एप में गड़बड़ी के कारण वह नाडा की शर्त पूरी नहीं कर पायी।

विराट और स्मिथ बोर्डर-गावस्कर सीरीज में दबदबा बनाना चाहेंगे: हेडन

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन का मानना है कि भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ का इसका बोर्डर-गावस्कर सीरीज में शानदार प्रदर्शन करना रहेगा पर ये इतना आसान नहीं होगा। हेडन के अनुसार दोनो ही अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए इस सीरीज में अधिक रन बनाने का प्रयास करेंगे।

हेडन ने कहा कि कोहली और स्मिथ दोनों ही अपने-अपने तरीके से दबदबा बनाने का प्रयास करेंगे। साथ ही कहा कि सीरीज का परिणाम भी काफी कुछ इनके प्रदर्शन से भी तय होगा। हेडन ने कहा, ''क्रिकेट लय का खेल है और मुझे भरोसा है कि अपने क्रिकेट करियर के अंतिम दौर में पहुंच चुके ये दोनों खिलाड़ी इस सीरीज में प्रभावी भूमिका निभाने पूरी ताकत लगा देंगे।'' उन्होंने कहा, ''यह उनका स्वभाव है। वे इसे बहुत अलग-अलग तरीकों से, बहुत अलग-अलग शैलियों में करते हैं और निश्चित रूप से वे ऑस्ट्रेलियाई गर्मियों में महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे।'' भारत और ऑस्ट्रेलिया 1991-92 के बाद पहली बार 22 नवंबर से पर्थ में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज की शुरुआती करेंगे। हेडन ने कहा कि यह कहना मुश्किल होगा कि किसी टीम का पलड़ा भारी होगा। उन्होंने कहा, ''आप दोनों को देखें। यह बताना कठिन है कि कौन सी टीम प्रबल दावेदार रहेगी। मुझे लगता है कि रन अंतर पैदा करेंगे। चेतेश्वर पुजारा

सहित जिन खिलाड़ियों पर निश्चित रूप से दांव लगाया जाता वे संन्यास ले चुके हैं, '' हेडन ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भारत के खिलाफ पिछले एक दशक से मिली असफलता से बाहर आना चाहेंगे।

कैरेबियन प्रीमियर लीग टी20 विश्वकप तैयारियों का हिस्सा : जेमिमाह रॉड्रिग्स

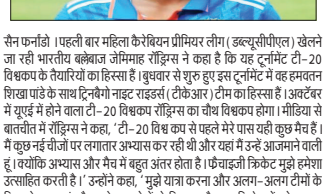

सैन फर्नांडो। पहली बार महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग। डब्ल्यूसीपीएल) खेलने जा रही भारतीय बल्लेबाज जेमिमाह रॉड्रिग्स ने कहा है कि यह टूर्नामेंट टी-20 विश्वकप के तैयारियों का हिस्सा हैं। बुधवार से शुरु हुए इस टूर्नामेंट में वह हमवतन शिखा पांडे के साथ ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स (टीकेआर) टीम का हिस्सा हैं। अक्टॉबर में यूएई में होने वाला टी-20 विश्वकप रॉड्रिग्स का चौथ विश्वकप होगा। मीडिया से बातचीत में रॉड्रिग्स ने कहा, 'टी-20 विश्व कप से पहले मेरे पास यही कुछ मैच हैं। मैं कुछ नई चीजों पर लगातार अभ्यास कर रही थी और यहां मैं उन्हें आजमाने वाली हूं। क्योंकि अभ्यास और मैच में बहुत अंतर होता है। फ्रैंचाइजी क्रिकेट मुझे हमेशा उत्साहित करती है।' उन्होंने कहा, 'मुझे यात्रा करना और अलग-अलग टीमों के लिए खेलना पसंद है। मुझे नए लोगों से मिलना और नए क्रिकेटरों को जानना अच्छा लगता है। मुझे यह जानना अच्छा लगता है कि वे अलग-अलग परिस्थितियों में अपने शरीर और दिमाग को कैसे ढालती हैं और कैसे खेलती हैं। आप जब भी क्रिकेट खेलने मैदान पर उतरते हो, परिस्थितियां बदली रहती हैं। उनके बारे में जानने की जरुरत है। दबाव के क्षणों में ये तैयारियां बहुत काम आती हैं। मैं इस टूर्नामेंट को विश्व कप की तैयारियों की तरह देख रही हूं। इसके साथ ही यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं टीकेआर की टीम को टूर्नामेंट में आगे बढ़ने में मदद भी करूं। कुल मिलाकर मैं यहां खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं।' पांचवें से तीसरे नंबर पर खेलने के सवाल पर रॉड्रिग्स ने कहा, 'मुझे लगता है कि हर बल्लेबाज का अपना एक अलग फॉर्मूला होता है। मेरे लिए परिस्थितियों को जल्दी से पढ़ना और उनके अनुसार शॉट खेलना अधिक महत्वपूर्ण है। यहां पिच धीमी होंगी, तो मुझे उसके अनुसार बल्लेबाजी करनी होगी। मैं इन चीजो को लेकर हमेशा से स्पष्ट रहना चाहती हूं ताकि मेरे दिमाग में भी एक स्पष्टता रहे।'

मैं अपनी तकनीक में अधिक परिपक्व हूं; पैरालंपिक सिर्फ एक और प्रतियोगिता: अवनी

नई दिल्ली (एजेंसी)।महज 11 साल की उम्र में कार दुर्घटना के कारण कमर के नीचे का अंग लकवाग्रस्त होने के बाद व्हीलचेयर की मदद से चलने वाली पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता अवनी लेखरा अपने माता-पिता की शुक्रगुजार हैं जिनकी सलाह पर उन्होंने निशानेबाजी में हाथ आजमाना शुरू किया। अवनी तीन साल पहले तोक्यो पैरालंपिक में एसएच1 श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतने के बाद देश की सबसे अधिक सुर्खियां बटोरने वाली पैरा खिलाड़ी बनी थी। उन्होंने तोक्यो पैरालंपिक में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण और 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कांस्य पदक जीता था।

पैरालंपिक निशानेबाजी स्पर्धा में देश की पहली स्वर्ण पदक विजेता 22 साल की यह निशानेबाज अब पेरिस खेलों में अपने कारनामों को दोहराने के लिए तैयार है। उन्होंने कार दुर्घटना की भीषण आघात से उबरने में मदद के लिए अपने परिवार का शुक्रिया किया। अवनी अपने परिवार के कहने पर खेलों से जुड़ी और निशानेबाजी ने उन्हें दुर्घटना से मिले आघात से उबरने में मदद किया।

अवनी ने तीरंदाजी में अपना हाथ आजमाने के

बाद 2015 में गर्मियों की छुट्टियों के दौरान जयपुर के केंद्रीय विद्यालय नंबर तीन में निशानेबाजी का अभ्यास शुरू किया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। अवनी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये साक्षात्कार में कहा, 'दुर्घटना से पहले मैं किसी भी खेल में नहीं थी और उसके बाद भी मैं किसी भी खेल से जुड़ने के बारे में बिल्कुल नहीं सोच रही थी। लेकिन मेरे माता-पिता हमेशा सोचते थे कि मुझे पढ़ाई के अलावा कुछ और भी करना चाहिए। दुर्घटना के दो साल बाद मैं अपने स्कूल के-द्रीय विद्यालय नंबर तीन वापस गयी थी।'

उन्होंने कहा, 'उनके पास क्षेत्रीय खेल और राष्ट्रीय खेल का विकल्प था, इसलिए मेरे माता-पिता ने भी मुझे किसी खेल से जोड़ने के बारे में सोचा और फिर मैंने 2015 में अपनी गर्मियों की छुट्टियों के दौरान वहां तीरंदाजी और निशानेबाजी में हाथ आजमाया।' उन्होंने कहा, 'मुझे निशानेबाजी करना अधिक पसंद आया क्योंकि यह एक इनडोर गेम है, मैंने सोचा 'ठीक है, चलो शुरू करें'। फिर मैंने प्रतिस्पर्धा करना शुरू कर दिया, इसे और अधिक पसंद करने लगी... उसके बाद चीजें आगे बढ़ती गयी।'

राजस्थान सरकार में सहायक वन संरक्षक के तौर पर काम करने वाली अवनी 10 मीटर एयर राइफल के एसएच1 वर्ग में विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर रह चुकी है। अवनी को तोक्यो की सफलता से काफी उम्मीदें मिली और अब उनके पास राइफलों का एक नया सेट है। वह पेरिस खेलों के लिए अपनी तकनीक में अधिक 'परिपक्व' महसूस करती है। उन्होंने कहा कि तोक्यो की सफलता और उम्मीदों के दबाव ने उन्हें और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया है।

अवनी ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम पूरे समय बहुत सकारात्मक माहौल में रहे हैं। हम परिणाम के बजाय सिर्फ प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जाहिर है, उम्मीदें होंगी लेकिन ये उम्मीदें ही मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करती हैं मैं अपनी तकनीक में भी अधिक परिपक्व हूं।' उन्होंने कहा, 'जब मैं निशानेबाजी परिसर में जाती हूं तो अपनी भावनाओं को पीछे छोड़ देती हूं। मैं वहां किसी अन्य चीज के बारे में सोचने की जगह अपनी प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करती हूं।'

अवनी के लिए विश्व कप, पैरालंपिक या कोई अन्य प्रतियोगिता उनकी प्रशिक्षण और तैयारियों का विस्तार है। अवनी ने कहा, 'मैं प्रतियोगिता के दौरान चीजों को अभ्यास की तरह ही रखना पसंद करती हूं। अगर किसी मैच में कुछ होता है तो मैं प्रशिक्षण के दौरान इसे आजमाती हूं ताकि जब मैं किसी प्रतियोगिता में जाऊं तो मुझे कुछ नया महसूस ना हो। मैं उन चीजों को नियंत्रित करने का कोशिश करती हूं जो मैं कर सकती हूं।'

अवनी ने अपनी सफलता का श्रेय कोच चंद्र शेखर को भी दिया। उन्होंने कहा, 'वह वास्तव में मेरी यात्रा का एक प्रमुख हिस्सा रहे हैं, खासकर कोविड-19 महामारी के दिनों में भी वह मुझे प्रशिक्षित करते थे। जब भी मैं कोई गलती करती हूं तो वह मुझे उन पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं।'

सूरत में मुख्य विद्युत निरीक्षक अश्विन चौधरी की अध्यक्षता में 'नेशनल इलेक्ट्रिकल कोड ऑफ इंडिया' 2023 पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

सूरत।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) और नेशनल फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स फॉर इलेक्ट्रिकल सेफ्टी (एनएफई), राज्य सरकार कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से उधना मगदल्ला में नेशनल इलेक्ट्रिकल कोड ऑफ इंडिया-2023 पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य विद्युत निरीक्षणालय आयोजित किया गया। जिसमें प्रदेश भर से 400 से अधिक इंजीनियर शामिल हुए।

इस कार्यशाला में विभिन्न विशेषज्ञों ने भारतीय राष्ट्रीय विद्युत संहिता-2023 के तहत हाल में हुए बदलावों और प्रक्रियाओं पर विचार प्रस्तुत किये। साथ ही, विद्युत सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण पहलुओं, आवश्यक विद्युत सुरक्षा के अभाव के कारण देश में पूर्व में हुई या अब हो रही मानव निर्मित आपदाओं से बचने के लिए परिवर्तनों पर चर्चा की गई।

राज्य सरकार के मुख्य विद्युत निरीक्षक श्री अश्विन चौधरी ने गुजरात को देश भर में विद्युत रूप से सुरक्षित मॉडल के रूप में विकसित करने के राज्य सरकार के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बिजली का लापरवाही से उपयोग घातक दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है, और बिजली का मितव्ययी उपयोग एक पूरक शक्ति हो सकता है। राज्य का विकास. उन्होंने कहा कि विद्युत सुरक्षा से संबंधित अवांछित घटनाओं से बचने के लिए राज्य भर में विद्युत सुरक्षा जागरूकता पर विभिन्न गतिविधियां की जा रही हैं, जिसके तहत सूरत में देश की सबसे बड़ी कार्यशाला का आयोजन किया गया है.

उन्होंने बताया कि मुख्य विद्युत निरीक्षक के कार्यालय द्वारा विद्युत संबंधी कानूनों को क्रियान्वित कर राज्य के विद्युत संबंधी मामलों का निरीक्षण एवं सुरक्षा सतर्कता, ऊर्जा ऑडिट, लिफ्ट संबंधी कानूनों का क्रियान्वयन किया जाता है।

तकनीकी विषय पर एनएफई अध्यक्ष एवं बीआईएस समिति सदस्य एस. प्रेटेगोप्पस इलेक्ट्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड के गोपा कुमार और श्री कृष थोबालल ने विद्युत सुरक्षा और परीक्षण की बुनियादी बातों पर विस्तार से बताया और कहा कि एनईसी 2023 उचित विद्युत उपकरणों के चयन को कवर करता है। वायरिंग और विद्युत स्थापना में सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने देश में विद्युत सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा प्रक्रियाओं के बारे में उपयोगी जानकारी दी।

इस अवसर पर बीआईएस-सूरत के अध्यक्ष एस.के. सिंह ने कहा कि आने वाले समय में देश में आग, करंट सहित विद्युत सुरक्षा उल्लंघनों से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए विद्युत सुरक्षा संबंधी नियमों का सख्ती से पालन करना जरूरी है, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को घर सहित सभी स्थानों पर विद्युत सुरक्षा के प्रति जागरूक होना चाहिए। विभिन्न प्रतियोगिताओं और क्षेत्र भ्रमण के माध्यम से विद्यालय का निर्माण और दूसरों को जागरूक करने पर जोर दिया गया।

बीआईएस के श्री जतिन तिवारी ने भारत के राष्ट्रीय विद्युत संहिता और इसके विभिन्न नियमों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही बीआईएस के विभिन्न कार्यों जैसे मानकीकरण, प्रमाणीकरण और प्रयोगशाला के बारे में भी जानकारी दी। इस कार्यशाला में विभिन्न विद्युत उपकरण विकास कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा एनईसी 2023 पर आधारित आर्क फॉल्ट डिटेक्शन डिवाइस, सुरक्षित वायरिंग प्रथाओं, माप और सत्यापन सहित विभिन्न तकनीकी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

उप मुख्य विद्युत निरीक्षक (वडोदरा) श्री एसएस शाह, सीमेंस के उत्पाद प्रबंधक श्री विकास चौधरी, महिंद्रा सोलरायज़ के श्री सागर सक्सेना, पॉलीकैब इंडिया के समीर धरसंदिया, सोनल इंस्ट्रूमेंट इंडिया के सेल्स मैनेजर सहित बड़ी संख्या में इंजीनियर शामिल थे। इस अवसर पर श्री परेश सारसिया उपस्थित थे।

"आव्या 2.0" दो दिवसीय वेडिंग एक्ज़ीबिशन की भव्य शुरुआत

सुरत भुमि, सूरत।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा दो दिवसीय वेडिंग एक्ज़ीबिशन "आव्या 2.0" की शुक्रवार को भव्य शुरुआत हुई। कच्छी घोड़ी एवं ढोल के साथ एक्ज़ीबिशन की ओपनिंग की गई। महिला शाखा की अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि एग्जीबिशन का उद्घाटन सूरत पुलिस कमिश्नर अनुपम गहलोत एवं उनकी धर्मपत्नी संध्या गहलोत के द्वारा किया गया। उद्घाटन के मौके पर अग्रवाल विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार, उपाध्यक्ष प्रमोद कंसल, कोषाध्यक्ष शशिभूषण अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहें। सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन

भवन के पंचवटी हाल एवं द्वारका हाल में आयोजित एक्ज़ीबिशन के पहले दिन महिलाओं की अच्छी भीड़ देखने को मिली। एक्ज़ीबिशन में डिज़ाइनर ज्वेलरी, डिज़ाइनर कपड़े, होम डेकॉर सहित शादी के लिए सभी समान एक ही छत के नीचे उपलब्ध है। पंचवटी हाल में डिज़ाइनर गोल्ड डायमंड एंड सिल्वर ज्वैलरी, द्वारका हॉल में डिज़ाइनर ड्रेस, बेड शीट्स,बैग्स, गिफ्ट आइटम्स मेहंदी,आदि उपलब्ध है। इस मौके पर महिला शाखा की सरोज अग्रवाल, रुचिका रुंगटा, सीमा कोकड़ा, प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी, आरती मित्तल, संगीता अग्रवाल, अनुराधा जालान, सरोज अग्रवाल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

पार्कसंस कार्टामुंडी ने जन्माष्टमी के मौके पर गुजरात में प्रतिष्ठित बाइसिकल0 ब्रैंड की पेशकश की, लोगों के ताश खेलने का बदलेगा अंदाज

गुजरात ।

दुनिया भर में प्लेइंग कार्ड्स (ताश) की दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी पार्कसंस कार्टामुंडी भारत में प्रतिष्ठित बाइसिकल0 ब्रांड के लॉन्च की घोषणा करते हुए काफी उत्साहित है। यह रणनीतिक साझेदारी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि इससे प्रतिष्ठित अमेरिकी ब्रांड ने ताश के खेल को सबसे ज्यादा पसंद करने वाले राज्य गुजरात से भारत के गतिशील बाजार में प्रवेश किया है।

अपनी बेमिसाल क्वॉलिटी, शिल्प कौशल और लगभग 140 वर्षों की विरासत के लिए मशहूर बाइसिकल0 भारतीय उपभोक्ताओं के लिए ताश खेलने के अनुभव को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए तैयार है। ब्रैंड का आगमन जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर हो रहा है। यह परिवारों के एक साथ लाने और ताश के खेल का मजा लेने के लिए परफेक्ट समय है।

गुजरात, अपनी गहरी सांस्कृतिक परंपराओं और विशेष रूप से सक्रिय और अष्टमी के अवसर पर ताश खेलने की परंपराओं के साथ बाइसिकल ब्रांड् के प्लेइंग कार्ड्स को मार्केट में प्रवेश के लिए एक परफेक्ट माहौल देता है। पार्कसंस कार्टामुंडी अपने व्यापक वितरण नेटवर्क और भारतीय बाजार की गहरी समझ का लाभ उठाकर ब्रैंड को बड़े उपभोक्ता वर्ग तक पहुंचाना सुनिश्चित करेगा।

बाइसिकल0 और पार्कसंस कार्टामुंडी, दोनों ने लॉन्च का जश्न मनाने और बाइसिकल0 प्लेइंग कार्ड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए गुजरात में उपभोक्ताओं के साथ जुड़ने के लिए कई रोमांचक गतिविधियों की योजना बनाई है। इनमें ब्रैंडेड बाइसिकल0 वैन से आकर्षक मैजिक शो की मेजबानी और आकर्षक कियोस्क इवेंट शामिल हैं। वैन अहमदाबाद में रेवती टावर्स जैसी प्रमुख जगहों का दौरा करेगी। इसके साथ ही टॉय स्टोरीज, टॉयजैप, ऐप्पल स्टेशनरी आदि सहित चुनिंदा रिटेल काउंटर्स पर भी सुविधाएं प्रदान करेगी। इसके अलावा, इस कैम्पेन का मुख्य आकर्षण "ईवनिंग विद बाइसिकल" सामुदायिक कार्यक्रम है, जिसमें परिवारों को एक साथ आने और ताश के खेल के आनंद को नए सिरे से खोजने का न्योता दिया जाएगा।

पार्कसंस कार्टामुंडी प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ और एमडी, श्री कपिल केजरीवाल ने इन गतिविधियों के बारे में बताते हुए कहा, "हम भारतीय बाजार में, विशेष रूप से गुजरात राज्य में दिग्गज बाइसिकल ब्रांड के लॉन्च को लेकर बेहद उत्साहित हैं। ताश के पत्तों के खेल के प्रति गुजरात के लोगों का गहरा प्यार है। इसलिए जन्माष्टमी जैसे त्योहार पर गुजरात में इस आइकॉनिक ब्रांड के प्रवेश के लिए आदर्श माहौल है। ताश हमेशा से त्योहारों और उत्सवों का एक अनमोल हिस्सा रहे हैं। हम अमेरिका में बने और 80 से अधिक देशों में उपलब्ध प्लेइंग कार्ड के नंबर वन ब्रैंड बाइसिकल को भारत में लाने के लिए उत्सुक हैं। हमारा उद्देश्य लोगों को खेल में ज्यादा से ज्यादा मजा देना और ताश खेलने की संस्कृति को बेहर बनाना है। हमें पूरा भरोसा है कि यह साझेदारी भारत में कार्ड गेमिंग के एक नए युग की शुरुआत करेगी।"

वीडील सिस्टम लिमिटेड का आईपीओ 27 अगस्त, 2024 को खुलेगा

मुंबई। इलेक्ट्रिकल कंट्रोल पैनल और ऑटोमेशन पैनल की निर्माता, वीडील सिस्टम लिमिटेड ने 27 अगस्त 2024 को अपनी इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग खोलने का प्रस्ताव किया है. कंपनी का इरादा इस आईपीओ के माफ्रत रू 18.08 करोड़ एकत्र करने का है और कंपनी के शेयर्स एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे.

इक्विटी शेयर आवंटन

नॉन -इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) – 7,65,600 इक्विटी शेयर्स से कम नहीं

रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स (आरआईआई) – 7,66,800 इक्विटी शेयर्स से कम नहीं

मार्केट मेकर– 81,600 इक्विटी शेयर्स से कम नहीं

इश्यू से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी की जरूरत का वित्त पोषण करने, कुछ सुरक्षित और असुरक्षित लोन का प्रीपेमेंट और रीपेमेंट करने और आम कॉर्पोरेट कार्यों का वित्त पोषण करने के लिए किया जाएगा. इश्यू 29 अगस्त, 2024 को बंद होगा.

इश्यू की लीड मैनेजर एफिनिटी ग्लोबल कैपिटल मार्केट प्राइवेट लिमिटेड है. इश्यू की रजिस्ट्रार कैमियो कॉरपोरेट सर्विसेज लिमिटेड है.

वीडील सिस्टम लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री धीरज कोचर और होलटाइम डायरेक्टर एवं चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर, श्रीमती तपस्विनी पांडा ने कहा, "यह माइलस्टोन हमारी शुरुआत से इलेक्ट्रिकल कंट्रोल पैनल और ऑटोमेशन सॉल्यूशंस में हमारी प्रगति और उन्नति को दर्शाते हुए वीडील के लिए एक प्रमुख उपलब्धि को सिगनिफाई करता है।

श्याम मेहता सीएमए फाइनल में देश के टॉप 38 में आए, सिंपली शिक्षा के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया

सूरत।

इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने जून 2024 के लिए आयोजित सीएमए इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इस परीक्षा में सूरत के सिंपली शिक्षा कोचिंग क्लास के छात्रों ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया है और सूरत और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है.

कोचिंग क्लास संचालक तरूण अग्रवाल और शिक्षकों के मार्गदर्शन में श्याम मेहता ने सीएमए फाइनल परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 38 हासिल की है। 800 में से 451 अंक हासिल कर श्याम ने इस क्षेत्र में छात्रों के लिए एक मिसाल कायम की है.

श्याम का मानना है कि नियमित रूप से 5-6 घंटे अभ्यास करने और पहले से तैयारी शुरू करने से आखिरी मिनट के दबाव से बचा जा सकता है. उन्होंने कहा, "पाठ्यक्रम बहुत व्यापक है, इसलिए हर दिन अध्ययन, अभ्यास और कड़ी मेहनत करना बहुत महत्वपूर्ण है।"

सिंपली एजुकेशन क्लास के 14 छात्रों ने सीएमए अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की है। अंतिम परीक्षा में कक्षा का परिणाम 55त्न है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह परिणाम केवल 14% है। इसी प्रकार, सीएमए इंटरमीडिएट परीक्षा में कक्षा परिणाम 67% रहा है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर परिणाम 17% रहा है।

निदेशक तरूण अग्रवाल ने बताया कि सूरत में सीएमए कोर्स की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। पिछले दो वर्षों में छात्रों की संख्या दोगुनी हो गई है। उन्होंने कहा, "सीएमए कोर्स पूरा करने में ढाई साल लगते हैं और इस क्षेत्र में करियर के अवसर बहुत अच्छे हैं।"

सैमसंग त्योहारी सीजन से पहले भारत में 10 AI वॉशिंग मशीन लॉन्च करेगा

गुरुग्राम।

भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने इस साल त्योहारी सीजन से पहले 10 वॉशिंग मशीन लॉन्च करने की अपनी योजना की घोषणा की है। कंपनी ने हाल ही में अपनी आगामी फ्रंट-लोड एआई-पावर्ड वॉशिंग मशीन के लिए एक टीज़र का अनावरण किया, जिसे इस महीने के अंत तक लॉन्च किया जाएगा।

नई एआई-संचालित वाशिंग मशीन भारतीय उपभोक्ताओं के लिए घरेलू उपकरणों की प्रीमियम बीस्पोक एआई रेंज का हिस्सा हैं, जो स्मार्ट होम अनुभव में क्रांति लाने के लिए बुद्धिमान और सहज समाधानों के साथ उन्नत कनेक्टिविटी और वैयक्तिकृत अनुभव प्रदान करती हैं।

सैमसंग इंडिया ने एक बयान में कहा, "इस साल त्योहरी सीजन से पहले, सैमसंग भारत में एआई संचालित वॉशिंग मशीनों की एक श्रृंखला लॉन्च करेगा। नई लाइन में 10 मॉडल होंगे, जो धुलाई प्रक्रिया के हर चरण में पूरी तरह से एआई नवाचारों से सुसज्जित होंगे। उम्मीद है कि यह रेंज सैमसंग इंडिया के समग्र वॉशिंग मशीन पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए लॉन्ड्री बाजार में गेम चेंजर साबित होगी।

सैमसंग इंडिया ने कहा कि जल्द ही लॉन्च होने वाली वॉशिंग मशीन एआई-संचालित सुविधाओं के पूरे सेट से लैस है जो उपभोक्ताओं के लिए जीवनशैली बनाने के लिए कपड़े धोने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगी। यह एक समग्र अनुभव भी प्रदान करेगा जो अधिक स्मार्ट, अधिक कुशल और अधिक पर्यावरण के अनुकूल है।

सैमसंग ने इस साल अप्रैल में भारतीय उपभोक्ताओं के लिए विशेष एआई घरेलू उपकरणों की अपनी 2024 श्रृंखला का अनावरण किया। उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक और स्मार्ट चीजों से लैस, ये नए उत्पाद हाइपर-कनेक्टेड पारिस्थितिकी तंत्र की बदौलत ग्राहक सुविधा में एक मील का पत्थर साबित होते हैं।

बेस्पोक एआई कंपनी के "एआई फॉर ऑल" दृष्टिकोण का प्रतीक हैं, जो बेहतर सुरक्षा, स्थिरता और पहुंच के माध्यम से जीवन को बेहतर बनाता है। एआई विज़न, एआई वॉयस और एआई डेटा तकनीकों का उपयोग करते हुए, सैमसंग नए अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें घरेलू उपकरणों को अधिक सहजता से नियंत्रित और कनेक्ट किया जा सकता है और अधिक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता अनुभव बनाया जा सकता है।

दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले सरल उपकरणों से कहीं अधिक, सैमसंग के घरेलू उपकरण कार्यक्षमता, कनेक्टिविटी और वैयक्तिकरण में नवाचारों के माध्यम से उपयोगकर्ताओं के जीवन को बदलने का वादा करते हैं। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को दैनिक घरेलू कामों पर कम समय खर्च करके अपने दैनिक जीवन में अधिक स्वतंत्रता का अनुभव करने में सक्षम बनाना है। इसलिए आदत सीखने और संवेदन जैसे एआई के माध्यम से घरेलू उपकरणों के नियंत्रण में आसानी दैनिक घरेलू कार्यों को अधिक व्यवस्थित और आसान बनाती है।

सर्व रोग निदान शिविर का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। लक्ष्मीपति मिल और कर्मचारी राज्य बीमा निगम के संयुक्त तत्वाधान में पांडेसरा स्थित लक्ष्मीपति कंपनी में सर्व रोग निदान शिविर का आयोजन शुक्रवार को किया गया। लक्ष्मीपति ग्रुप के डायरेक्टर संजय सरावगी ने बताया कि कंपनी के क़रीब 400 कर्मचारियों के विभिन्न प्रकार के मेडिकल टेस्ट किए गए। इस दौरान सभी को उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी गई और उपचार के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

फ्लिपकार्ट समर्थ ने भारत के कलाकारों, बुनकरों, एसएचजी, महिलाओं और ग्रामीण उद्यमियों को समर्पित एक कार्यक्रम के साथ अपने 5 साल के मील के पत्थर का जश्न मनाया

दिल्ली।

भारत का घरेलू ई-कॉमर्स बाज़ार, फ्लिपकार्ट, भारतीय कलाकारों, बुनकरों, एसएचजी, महिलाओं और ग्रामीण उद्यमियों को समर्थन देने के लिए समर्पित एक कार्यक्रम के साथ अपनी 5 साल की प्रतिष्ठित यात्रा का जश्न मना रहा है। इस कार्यक्रम में 250 उद्योग जगत के नेताओं, चिकित्साओं, कलाकारों, बुनकरों, शिल्पकारों और एसएचजी ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाना और उसे बढ़ाना था, इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, माननीय मंत्री श्री जयंत चौधरी ने भाग लिया। राज्य (स्वतंत्र प्रभार), कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय और राज्य मंत्री, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार श्री अतुल कुमार तिवारी (आईएएस), सचिव, एमएसडीई श्रीमती सोनल मिश्रा (आईएएस), संयुक्त सचिव, एमएसडीई थे उपस्थित।

फ्लिपकार्ट की आपूर्ति श्रृंखला संचालन अकादमी (एससीओए) ने समर्थ कार्यक्रम में कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान किया, जो देश भर में हजारों रोजगार योग्य युवाओं को कौशल प्रदान करने का एक मिशन है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 के तहत, साझेदारी का लक्ष्य देश भर में हजारों युवाओं को कौशल विकसित करना है, जिससे ई-कॉमर्स और आपूर्ति श्रृंखला क्षेत्रों में उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी। फ्लिपकार्ट टीम उम्मीदवारों को फ्लिपकार्ट की सुविधा में 45 दिनों के लिए व्यावहारिक उद्योग अनुभव अनुभव के साथ व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करती है और उसके बाद 7 दिनों का गहन कक्षा प्रशिक्षण प्रदान करती है। यह सहयोग उन युवाओं को सफल करियर के लिए तैयार करने के लिए विशेष प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करता है जो देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार हैं।

श्री जयंत चौधरी, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय और राज्य मंत्री, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने वैश्विक मांगों को पूरा करने के लिए युवाओं को कुशल बनाने के सरकार के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। विकसित भारत के विजन 2047 के साथ और अपने समर्थ कार्यक्रम के 5 साल पूरे करने के लिए फ्लिपकार्ट की सराहना करते हुए, वे कहते हैं, च्भारत सरकार अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है। कारीगरों को सशक्त बनाना और विभिन्न शिल्पों को बढ़ावा देना जो हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग हैं। एमएसडीई और फ्लिपकार्ट के स्कूल ऑफ करियर एडवांसमेंट (एससीओए) के बीच सहयोग फ्लिपकार्ट समर्थन की यात्रा के जश्न को मजबूत करता है, जो हमारे युवाओं को आधुनिक बाजार में आगे बढ़ने के लिए कौशल से लैस करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पारंपरिक हस्तशिल्प को डिजिटल क्षेत्र में एकीकृत करके, हम मजबूत साझेदारी बना रहे हैं और समर्थ कार्यक्रमों के माध्यम से नवाचार को अपना रहे हैं, जिससे भारत के एमएसएमई क्षेत्र के विकास का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)